



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-25] रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 फरवरी, 2024 ई0 (फाल्गुन 05, 1945 शक सम्वत्) [संख्या-08

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	रु0 3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	191-242	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	65-69	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	95-102	975
स्टोर्स पर्चेज-स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि ...	—	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

राजस्व परिषद्, उत्तराखण्ड

विज्ञप्ति

04 अगस्त, 2023 ई0

पत्रांक- 3478/तीन-69/च0सं0/2022-23-उत्तराखण्ड शासन, राजस्व अनुभाग-3, देहरादून के शासनादेश संख्या-388/XVIII(3)/2023-3(7)/2016, दिनांक 21 जुलाई, 2023 से प्राप्त अनुमति के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम-1953 (उ0प्र0अधिनियम संख्या-5, सन् 1954) (उत्तराखण्ड में प्रवृत्त) की धारा-52 की उपधारा-(1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुये, मैं चन्द्रेश कुमार, संचालक चकबन्दी, उत्तराखण्ड, देहरादून एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से जनपद हरिद्वार, तहसील रुड़की के निम्न ग्राम में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

क्र0सं0	ग्राम का नाम	तहसील	परगना	जनपद
1	2	3	4	5
1.	माजरी अकबरपुर	लक्सर	मंगलौर	हरिद्वार
2.	धरमपुर	लक्सर	गोरधनपुर	हरिद्वार

विज्ञप्ति

06 सितम्बर, 2023 ई0

पत्रांक- 4053/तीन-71/च0सं0/2022-23-उत्तराखण्ड शासन, राजस्व अनुभाग-3, देहरादून के शासनादेश संख्या-405/XVIII(3)/2023-3(7)/2016, दिनांक 23 अगस्त, 2023 से प्राप्त अनुमति के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम-1953 (उ0प्र0अधिनियम संख्या-5, सन् 1954) (उत्तराखण्ड में प्रवृत्त) की धारा-52 की उपधारा-(1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुये, मैं चन्द्रेश कुमार, संचालक चकबन्दी, उत्तराखण्ड, देहरादून एतद्वारा विज्ञापित करता हूँ कि इस विज्ञप्ति के सरकारी गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से जनपद हरिद्वार, परगना गोरधनपुर, तहसील लक्सर के निम्न ग्राम में चकबन्दी क्रियायें समाप्त हो गयी हैं।

क्र0सं0	ग्राम का नाम	तहसील	परगना	जनपद
1	2	3	4	5
1.	हस्तमौली	लक्सर	गोरधनपुर	हरिद्वार

विज्ञप्ति

18 दिसम्बर, 2023 ई0

पत्रांक- 5403/तीन-73/चक0 सं0/2023-24-उत्तराखण्ड शासन, राजस्व अनुभाग-3, देहरादून के शा0सं0-739/XVIII(3)/2023-03(10)/2016, दिनांक 04 दिसम्बर, 2023 से प्राप्त अनुमति के क्रम में उत्तर प्रदेश जोत चकबन्दी अधिनियम-1953 (उ0प्र0अधिनियम संख्या-5, सन् 1954) (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्त) की धारा-6 की उपधारा-(1) के अधीन सरकारी विज्ञप्ति संख्या-83/31-A-813-1954-Rev(A) दिनांक 19 अक्टूबर, 1956 द्वारा यथाप्रतिनिहित अधिकारों का प्रयोग करते हुये मैं चन्द्रेश कुमार, संचालक चकबन्दी, उत्तराखण्ड, देहरादून, जनपद हरिद्वार तहसील लक्सर के सम्बन्ध में उपर्युक्त अधिनियम की धारा-4(2) के अधीन जारी की गई विज्ञप्ति संख्या-159/मु0रा0आ0(चक0) दिनांक 08 मई, 2023 में आंशिक संशोधन करते हुये जनपद हरिद्वार की तहसील लक्सर, परगना मंगलौर के ग्राम दाबकी खुर्द को चकबन्दी प्रक्रिया से पृथक करते हुये ग्राम की विज्ञप्ति को एतद्वारा निरस्त करता हूँ।

चन्द्रेश कुमार,

आयुक्त एवं सचिव/
संचालक चकबन्दी,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

धर्मस्व एवं संस्कृति अनुभाग

अधिसूचना

08 फरवरी, 2024 ई०

संख्या 179324/2024—राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर अधिनियम, 1939 (समय—समय पर यथासंशोधित) उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त की धारा 26(2)(घ) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग तथा इस विषय पर विद्यमान समस्त नियमों और आदेशों का अधिक्रमण करते हुए श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर (धार्मिक संवर्ग) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती तथा सेवा शर्तें विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:—

श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर (धार्मिक संवर्ग) सेवा नियमावली, 2023

भाग 1—सामान्य

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर (धार्मिक संवर्ग) सेवा नियमावली, 2023 है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।
- सेवा की प्रारिथति 2. श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर सेवा ऐसी सेवा है, जिसमें समूह 'ख', 'ग' एवं 'घ' के पद सम्मिलित हैं।
- परिभाषाएं 3. जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में—
(क) 'अधिनियम' से श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर अधिनियम, 1939 (समय—समय पर यथासंशोधित) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) अभिप्रेत है;
(ख) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से अध्यक्ष श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति अभिप्रेत है;
(ग) 'भारत का नागरिक' से ऐसे व्यक्ति अभिप्रेत है, जो "भारत का संविधान" के भाग-II के अधीन भारत का नागरिक हो या भारत का नागरिक समझा जाए;
(घ) 'समिति' से अधिनियम, की धारा 5 के अधीन

स्थापित/गठित श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति अभिप्रेत है;

(ड.) 'संविधान' से 'भारत का संविधान' अभिप्रेत है;

(च) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;

(छ) 'सरकार' से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;

(ज) 'हिन्दू धर्म' से हिन्दुओं का ऐसा सम्प्रदाय, जो सनातन धर्म को मानते हैं या उसमें विश्वास रखते हैं, अभिप्रेत है;

(झ) 'सेवा का सदस्य' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर हिन्दू धर्म का अनुयायी और इस नियमावली या इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पूर्व प्रवृत्त नियमों या इस नियमावली आदेशों के अधीन स्थायी रूप से/मूल पद पर नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ञ) 'अध्यक्ष' से अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड-(छ) के तहत राज्य सरकार द्वारा नामित श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति के अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ट) 'सेवा' से श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति सेवा अभिप्रेत है;

(ठ) 'मौलिक नियुक्ति' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों अथवा अधिनियम की संगत धारा/निहित प्रावधान द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई हो; तथा

(ड) 'भर्ती का वर्ष' से कैलेंडर वर्ष के जुलाई के प्रथम दिवस से आरम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है;

भाग 2-संवर्ग

सेवा संवर्ग

4.

(1) सेवा में कर्मचारियों/अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी, जो समय-समय पर अधिनियम की संगत धारा/विहित प्रावधान के अनुसार समिति द्वारा राज्य सरकार के अनुमोदन से निर्धारित की जाय।

(2) सेवा में कर्मचारियों/अधिकारियों तथा उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या जब तक कि उपनियम (1) के अधीन पारित आदेशों द्वारा परिवर्तन न किया जाय, उतनी होगी जो

परिशिष्ट 'क' में दी गयी है; परन्तु यह कि—

(i) नियुक्त प्राधिकारी किसी खाली पद को रिक्त छोड़ सकेंगे अथवा राज्यपाल अधिनियम, की संगत धारा/विहित प्रावधानानुसार किसी पद को इस प्रकार प्रास्थागित रख सकेंगे, कि कोई व्यक्ति प्रतिपूर्ति का हकदार नहीं होगा।

(ii) समिति का अध्यक्ष अधिनियम की संगत धारा/विहित प्रावधानानुसार ऐसे अतिरिक्त स्थायी अथवा अस्थायी पद राज्य सरकार के अनुमोदन से सृजित कर सकते हैं, जैसा वे उचित समझे।

भाग 3—भर्ती

भर्ती का स्रोत

5. सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों की भर्ती निम्नलिखित स्रोतों से की जायेगी:—

धार्मिक सेवा संवर्ग श्री बदरीनाथ धाम

1.	धर्माधिकारी श्री बदरीनाथ धाम	मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे वरिष्ठ वेदपाठियों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
2.	वेदपाठी श्री बदरीनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा
3.	पुजारी, श्री बदरीनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा।

धार्मिक सेवा संवर्ग श्री केदारनाथ धाम

1.	आचार्य, श्री केदारनाथ धाम	मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे वरिष्ठ वेदपाठियों में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 20 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा। टिप्पणी—वेदपाठी हेतु किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय से वेद विषय के साथ आचार्य की उपाधि धारक होना आवश्यक है।
2.	वेदपाठी, श्री केदारनाथ धाम	(1) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत पद मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे पोलितो में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 07 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
3.	पुजारी, श्री केदारनाथ धाम	नियम-8 में उल्लिखित अर्हता के कम में परम्परानुसार रावल जी की संस्तुति पर समिति के अनुमोदनोपरान्त पुजारी के पद पर नियुक्ति की जायेगी।

4.	पोतीत, श्री केदारनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा
5.	भण्डार लिपिक, श्री केदारनाथ धाम	<p>(1) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।</p> <p>(2) 50 प्रतिशत पद मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे समालिया में से जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में न्यूनतम 07 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।</p> <p>टिप्पणी— पंचगाई दस्तूरात से संबंधित पद होने के दृष्टिगत परम्परानुसार/रीति के अनुसार उक्त पद पर संबंधित चिन्हित समुदाय द्वारा समिति को संस्तुत किये व्यक्ति को भण्डार लिपिक के पद पर नियुक्त किया जायेगा।</p> <p>• भण्डारी का मुख्य कार्य भगवान को अर्पित किये जाना वाला भोग, नित्य खाद्यान्न का भण्डारण, वितरण एवं सोने, चांदी के आभूषण/वस्तु का रख-रखाव करना होता है।</p>
6.	समालिया, श्री केदारनाथ धाम	<p>पंचगाई दस्तूरात से संबंधित पद होने के दृष्टिगत परम्परानुसार/रीति के अनुसार उक्त पद पर संबंधित चिन्हित समुदाय द्वारा समिति को संस्तुत किये व्यक्ति को समालिया के पद पर नियुक्त किया जायेगा।</p> <p>टिप्पणी— समालिया का मुख्य कार्य भगवान का भोग पकाना, श्रृंगार आदि में पुजारी का सहयोग करना होता है।</p>
7.	सीजनल पोतीत प्रथम	सीजनल पोतीत द्वितीय में से अनुपयुक्त को अस्वीकार करते हुये ज्येष्ठता के आधार पर पदोन्नति द्वारा।
8.	सीजनल पोतीत द्वितीय	सीधी भर्ती द्वारा।
9.	सेवाकार, (रावल जी हेतु) श्री केदारनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा।
10.	पाचक, (रावल जी हेतु) श्री केदारनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा।
11.	सहायक, (रावल जी हेतु) श्री बदरीनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा।
12.	पाचक, (रावल जी हेतु) श्री बदरीनाथ धाम	सीधी भर्ती द्वारा।

- आरक्षण 6. अभ्यर्थियों के लिये आरक्षण भर्ती के समय राज्य सरकार/मंदिर समिति द्वारा अधिनियम, की संगत धारा/निहित प्रावधान/निर्गत नियम में निहित प्रावधानान्तर्गत आदेशों के अनुसार किया जायेगा।
- राष्ट्रीयता 7. सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी-
भारत का नागरिक हो।

भाग-4-अर्हतायें

- शैक्षणिक अर्हता/अर्हताएं/योग्यताएं 8. सेवा में विभिन्न पदों की नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी के पास निम्नलिखित अर्हताएं होनी चाहिए:-

1.	वेदपाठी, श्री बदरीनाथ धाम	1. सनातन धर्मावलम्बी हो। 2. किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय से परम्परागत वेद विषय के साथ आचार्य की उपाधि धारक हो। 3. पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का बृहद् ज्ञान हो। 4. संस्कृत के साथ हिन्दी का ज्ञान हो। 5. किसी प्रसिद्ध विष्णु/शिव मंदिर में पूजा संबंधी कार्य में 05 वर्ष का कार्यानुभव हो।
2.	पुजारी, श्री बदरीनाथ धाम	1. किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/विद्यालय या समकक्ष विद्यालय से कम से कम उत्तर मध्यमा परीक्षा उत्तीर्ण हो। 2. सनातन धर्मावलम्बी हो। 3. पराम्परानुसार पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का अच्छा ज्ञान हो। 4. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।
3.	वेदपाठी, श्री केदारनाथ धाम	1. सनातन धर्मावलम्बी हो। 2. किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय से पराम्परागत वेद विषय में आचार्य की उपाधि धारक। 3. पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का बृहद् ज्ञान होना अनिवार्य। 4. संस्कृत के साथ हिन्दी का व्यवहारिक ज्ञान हो। 5. किसी प्रसिद्ध शिव/विष्णु मंदिर में पूजा संबंधी कार्य में 05 वर्ष का कार्यानुभव। अधिमानी-उच्च उपाधि धारक को वरीयता दी जायेगी।
4.	पुजारी, श्री केदारनाथ धाम	1. सनातन धर्मावलम्बी हो। 2. पूर्व मध्यमा/हाईस्कूल परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।

		<p>3. पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का अच्छा ज्ञान हो।</p> <p>4. दक्षिण भारत में शुद्ध वीरशैव जंगम परम्परा में जन्म।</p> <p>5. रावल जी द्वारा दिक्षित चेला हो।</p> <p>6. परम्परा के अनुसार पुजारी पद पर नियुक्ति के लिये रावल जी की संस्तुति आवश्यक होगी।</p> <p>7. केदारनाथ पुजारी होने के लिये ओंकारेश्वर मंदिर, ऊखीमठ में न्यूनतम 01 वर्ष निवासरत् रहा हो।</p> <p>8. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।</p> <p>9. रुद्राभिषेक षोडश पूजा का विधि-विधान, मंत्र पठन अभ्यास किया हो।</p>
5.	पोतीत, श्री केदारनाथ धाम	<p>1. सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>2. किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय से वेद विषय के साथ शास्त्री की उपाधि धारक हो।</p> <p>3. संस्कृत के साथ हिन्दी का ज्ञान हो।</p> <p>4. पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का वृहद ज्ञान के साथ किसी प्रसिद्ध शिव/विष्णु मंदिर में पूजा संबंधी कार्य में दो वर्ष का कार्यानुभव।</p> <p>अधिमानी— किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से आचार्य उपाधि धारक को वरीयता दी जायेगी।</p>
6.	भण्डार लिपिक (भण्डारी), श्री केदारनाथ धाम	<p>(1) उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद अथवा उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो,</p> <p>(2) कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण में 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा की गति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।</p> <p>(3) वह पंचगाई चुन्नी, मंगोली, भटवाड़ी, किमाणा, पठाली एवं डुंगर सेमला गांवों के तीर्थ पुरोहित-तिवाड़ी, शुक्ला, त्रिवेदी, त्रिपाठी जाति से संबंधित व्यक्ति हो।</p>
7.	समालिया, श्री केदारनाथ धाम	<p>(1) उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद अथवा उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद की इण्टरमीडिएट परीक्षा या सरकार द्वारा उसके समकक्ष घोषित कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो,</p> <p>(2) कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण में 4000 की-डिप्रेशन प्रति घण्टा की गति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।</p> <p>(3) वह पंचगाई चुन्नी, मंगोली, भटवाड़ी, किमाणा, पठाली एवं डुंगर सेमला गांवों के तीर्थ पुरोहित-तिवाड़ी, शुक्ला, त्रिवेदी, त्रिपाठी जाति से संबंधित व्यक्ति हो।</p>
8.	सीजनल पोतीत द्वितीय, श्री केदारनाथ धाम	<p>(1) सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>(2) किसी मान्यता प्राप्त संस्कृत विश्वविद्यालय से परम्परागत वेद विषय के साथ शास्त्री की उपाधि धारक हो।</p>

		<p>(3)संस्कृत के साथ हिन्दी का ज्ञान हो।</p> <p>(4) पूजा पद्धति एवं कर्मकाण्ड का वृहद ज्ञान के साथ किसी प्रसिद्ध शिव/विष्णु मंदिर में पूजा संबंधी कार्य में दो वर्ष का कार्यानुभव।</p> <p>अधिमानी— किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से आचार्य उपाधि धारक को वरीयता दी जायेगी।</p>
9.	सेवाकार, (रावल जी हेतु) श्री केदारनाथ धाम	<p>1. सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>2. आठवीं अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।</p> <p>3. दक्षिण भारत में शुद्ध वीर जंगम परम्परा में जन्म।</p> <p>4. परम्परा के अनुसार सेवाकार पद पर नियुक्ति के लिये रावल जी की संस्तुति आवश्यक होगी।</p> <p>5. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।</p>
10.	पाचक, (रावल जी हेतु) श्री केदारनाथ धाम	<p>1. सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>2. आठवीं अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।</p> <p>3. दक्षिण भारत में शुद्ध वीरशैव जंगम वंश परम्परा में जन्म।</p> <p>4. परम्परा के अनुसार पाचक पद पर नियुक्ति के लिये रावल जी की संस्तुति आवश्यक होगी।</p> <p>5. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।</p>
11.	सहायक, (रावल जी हेतु) श्री बदरीनाथ धाम	<p>1. सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>2. आठवीं अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।</p> <p>3. दक्षिण भारतीय शुद्ध नम्बूदरी ब्राह्मण हो।</p> <p>4. परम्परा के अनुसार सहायक पद पर नियुक्ति के लिये रावल जी की संस्तुति आवश्यक होगी।</p> <p>5. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।</p>
12.	पाचक, (रावल जी हेतु) श्री बदरीनाथ धाम	<p>1. सनातन धर्मावलम्बी हो।</p> <p>2. आठवीं अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो।</p> <p>3. दक्षिण भारतीय शुद्ध नम्बूदरी ब्राह्मण हो।</p> <p>4. परम्परा के अनुसार सहायक पद पर नियुक्ति के लिये रावल जी की संस्तुति आवश्यक होगी।</p> <p>5. पूर्ण रूप से स्वस्थ हो।</p>

टिप्पणी— यह नियम उन कार्मिकों पर लागू नहीं होंगे, जो इस नियम/नियमावली के प्रभाव में आने से पहले श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर समिति में कार्यरत/सेवारत हैं।

अधिमानी अर्हता

9. ऐसे अभ्यर्थी की, जिसने—

(1) प्रादेशिक सेना में कम से कम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या

(2) राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' अथवा 'सी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो, को अन्य बातें समान होने पर सेवा में भर्ती के सम्बन्ध में अधिमान दिया जायेगा।

अनिवार्य अर्हताएं तथा 10. (क) अनिवार्य अर्हता—
योग्यताएं

1. अधिनियम की संगत धारा/नियमों/निहित प्रावधान के अनुसार होगी।
2. वह हिन्दू धर्म का अनुयायी हो तथा मन्दिर के प्रभावी रीतियों के अनुसार प्रचलित पूजा पद्धति को मानता हो एवं स्वीकार करता हो।
3. पुजारी, सेवाकार, एवं पाचक श्री केदारनाथ हेतु अभ्यर्थी कर्नाटक राज्य का मूल/स्थायी निवासी हो।
4. सहायक एवं पाचक श्री बदरीनाथ हेतु अभ्यर्थी केरल राज्य का मूल/स्थायी निवासी हो।
5. शेष पदों हेतु अभ्यर्थी उत्तराखण्ड राज्य का मूल/स्थायी निवासी हो।

(ख) निर्योग्यताएं—

1. नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
2. नैतिक पतन के अपराध के लिये कारावास भुगत चुका व्यक्ति।
3. यदि उसने हिन्दू धर्म त्याग दिया हो।
4. उसका चरित्र कुलषित होने की पुष्टि हो गयी है।
5. राज्य सरकार अथवा स्थानीय प्राधिकरण से पदच्युत हुआ व्यक्ति।

आयु

11. सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी की आयु जिस कलेण्डर वर्ष में रिक्रियाँ भर्ती करने वाले प्राधिकारी द्वारा सीधी भर्ती के लिये विज्ञापित की जाती है, उस वर्ष की पहली जुलाई को समय-समय पर यथाविहित न्यूनतम आयु का हो जाना चाहिए और अधिकतम आयु का नहीं होना चाहिए:

परन्तु, अधिनियम की संगत धारा/नियमों/निहित प्रावधानानुसार समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाए, अधिकतम आयु उतनी बढ़ाई जायेगी, जैसा कि विहित किया जाए।

- चरित्र 12. सेवा के किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए जिससे वह सरकारी सेवा की नौकरी के लिये सर्वथा उपयुक्त हो। नियुक्ति अधिकारी इस विषय में स्वयं समाधान कर लेगा।
टिप्पणी:—(1) संघ सरकार या राज्य सरकार अथवा संघ सरकार या राज्य सरकार के स्वामित्व में अथवा नियंत्रणाधीन किसी स्थानीय प्राधिकरण या निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति भी नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
(2) धर्माधिकारी, वेदपाठी, पुजारी एवं पोतीत के पदों पर नियुक्ति हेतु निष्कलंक चरित्र।
- वैवाहिक प्रास्थिति 13. ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हो या ऐसी महिला अभ्यर्थी जिसके एक से अधिक पति जीवित हों, सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के पात्र न होंगे:
परन्तु यह कि, यदि सरकार का समाधान हो जाय कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से मुक्त कर सकेगी।
- शारीरिक योग्यता 14. किसी भी ऐसे अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा यदि वह मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं है और किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त न हो, जिसके कारण उसे अपने कर्तव्यों को दक्षतापूर्वक निर्वहन में हस्तक्षेप की संभावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिये अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-II भाग-III के अध्याय-III में समाविष्ट मूल नियम-10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे:
परन्तु यह कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्यांक 49 वर्ष 2016 भारत सरकार) की धारा 33 के क्रम में इस हेतु चिन्हित पदों तथा धारा 34 के अधीन चिन्हित श्रेणियों में दिव्यांगों को नियमानुसार नियुक्ति देने से मना नहीं किया जायेगा:
परन्तु यह और कि पदोन्नति द्वारा नियुक्त अभ्यर्थी के लिए स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अपेक्षित नहीं होगा।

भाग-5 भर्ती प्रक्रिया

रिक्तियों की संख्या नियम 6 के अधीन अधिनियम, की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अधीन रिक्तियों की संख्या अवधारणा करेगा और सरकार/चयन समिति को सूचित करेगा।

भर्ती की प्रक्रिया

16. (1.) सीधी भर्ती द्वारा भर्ती की प्रक्रिया—
अधिनियम, की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अनुसार निम्नलिखित प्रक्रिया लागू होगी :-
(क) नियुक्त प्राधिकारी विभिन्न पदों पर भर्ती/नियुक्ति के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित करेगा। आवेदन पत्र नियत प्रपत्र में दिये जायेंगे।
(ख) प्रवेश पत्र के बिना किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
(ग) धार्मिक सम्प्रदाय, परम्पराओं और वंशानुगत अधिकारों का सम्यक ध्यान रखा जायेगा।

(2.) सीधी भर्ती से चयन प्रक्रिया—

सीधी भर्ती से चयन निम्नांकित सिद्धान्तों के आधार पर आधारित होगी—सीधी भर्ती से चयन अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त शैक्षिक योग्यता, अनुभव तथा स्वर परीक्षण/कंठ परीक्षण/व्याकरण उच्चारण इत्यादि के लिए निर्धारित गुणवत्ता अंकों के आधार पर श्रेष्ठता क्रमानुसार किया जायेगा, जो निम्नानुसार होगा—

(i) वेदपाठी हेतु गुणात्मक अंक—

क्र.सं	परीक्षा का नाम	गुणवत्ता अंक	अधिकतम अंक
1.	पूर्व मध्यमा/हाईस्कूल	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 1}{10}$	10
2.	उत्तर मध्यमा/इण्टरमीडिएट	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 2}{10}$	20
3.	शास्त्री उपाधि/स्नातक	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 3}{10}$	30
4.	आचार्य/स्नातकोत्तर	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 4}{10}$	40

5.	अनुभव	02 अंक प्रतिवर्ष	10
6.	पी०एच०डी०/एम०फिल० उपाधि हेतु निर्धारित गुणवत्ता अंक	10	10
7.	स्वर परीक्षण/कंठ परीक्षण/व्याकरण उच्चारण	30	30
योग-		150	

(ii) पोतीत हेतु गुणात्मक अंक-

क्र.सं	परीक्षा का नाम	गुणवत्ता अंक	अधिकतम अंक
1.	पूर्व मध्यमा/हाईस्कूल	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 1}{10}$	10
2.	उत्तर मध्यमा/इण्टरमीडिएट	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 2}{10}$	20
3.	शास्त्री उपाधि/स्नातक	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 4}{10}$	40
4.	आचार्य/स्नातकोत्तर	$\frac{\text{अंको का प्रतिशत} \times 4}{10}$	40
5.	अनुभव	02 अंक प्रतिवर्ष	10
6.	स्वर परीक्षण/कंठ परीक्षण/व्याकरण उच्चारण	30	30
योग-		150	

(iii) वेदपाठी/पोतीत के पद पर सीधी भर्ती हेतु चयन समिति-

सीधी भर्ती के पदों पर नियुक्ति निम्नलिखित रूप से गठित चयन समिति के माध्यम से की जायेगी :-

- | | |
|---|---------|
| (एक) नियुक्ति प्राधिकारी- | अध्यक्ष |
| (दो) नियुक्ति प्राधिकारी/अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किसी संस्कृत महाविद्यालय का प्रधानाचार्य- | सदस्य |
| (तीन) मुख्यकार्याधिकारी- | सदस्य |
| (चार) विशेष कार्याधिकारी/वित्त अधिकारी- | सदस्य |
| (पांच) नियुक्ति प्राधिकारी/अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किसी संस्कृत महाविद्यालय/विद्यालय का प्रधानाचार्य/प्रवक्ता जो वेद विषय से संबंधित हो, विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित- | सदस्य |

टिप्पणी—(1) भर्ती/नियुक्ति प्रक्रिया/नियम अधिनियम की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अनुसार समिति से अनुमोदनोपरान्त नियुक्त प्राधिकारी द्वारा गठित चयन समिति द्वारा समय-समय पर विहित किये जायेंगे।

(2) समालिया, भण्डार लिपिक(भण्डारी), पुजारी, सेवाकार (रावल जी हेतु), सहायक (रावल जी हेतु) एवं पाचक (रावल जी हेतु) पद पर नियुक्ति नियम 5 एवं नियम 8 के क्रम में अधिनियम की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान तथा परम्परानुसार/धार्मिक रीति के अनुसार गुणात्मक अंक आदि आधार पर (जैसा उचित हो) नियुक्त प्राधिकारी द्वारा की जायेगी:-

पदोन्नति द्वारा भर्ती की प्रक्रिया 17.

(1) पदोन्नति द्वारा भर्ती अधिनियम की संगत धारा/निहित प्रावधान/सरकार द्वारा समय-समय पर विहित प्रक्रिया के अनुसार गठित निम्नलिखित रूप से गठित चयन समिति के माध्यम से की जायेगी :-

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी— अध्यक्ष

(दो) मुख्य कार्याधिकारी— सदस्य

(तीन) विशेष कार्याधिकारी/वित्त अधिकारी— सदस्य

(2) नियुक्ति प्राधिकारी ज्येष्ठता के क्रम में पात्र अभ्यर्थियों की एक सूची तैयार करेगा और उसे उनकी चरित्र पंजिकाओं और उनसे संबंधित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जायें, चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

(3) चयन समिति, उपनियम (2) में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर, अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कर सकेगी।

(4) चयन समिति चयनित अभ्यर्थियों की एक सूची तत्समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी;

परन्तु यह कि उपनियम (2) के अधीन या इस नियम के अधीन पात्रता सूची तैयार करते समय, जहां चयन भिन्न-भिन्न पोषक संवर्गों से किया जाना हो वहाँ ;

(क) भिन्न-भिन्न वेतनमानों के संबंध में उच्चतर वेतनमान वाले संवर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता सूची में ऊपर रखा जायेगा।

(ख) समान वेतनमानों के संबंध में पात्रता सूची में अभ्यर्थियों के नाम उनके अपने-अपने संवर्गों में मौलिक नियुक्ति के दिनांक के क्रम में रखे जायेंगे।

संयुक्त चयन सूची

18.

यदि किसी वर्ष नियुक्ति सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों

प्रकार से की जाती है तो संगत सूचियों से नाम लेकर एक संयुक्त चयन सूची इस प्रकार तैयार की जायेगी जिससे विहित प्रतिशत बना रहे। सूची में पहला नाम पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्ति का होगा।

भाग-6 नियुक्ति, परिवीक्षा, स्थायीकरण, ज्येष्ठता

नियुक्ति

19.

(1) उपनियम (2) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए नियुक्ति प्राधिकारी अभ्यर्थियों के नामों को उरी कम में, जिसमें उनके नाम यथास्थिति नियम-16, 17 एवं 18 के अधीन तैयार की गयी सूची में आये हो, नियुक्त करेगा।

(2) जहाँ भर्ती के किसी वर्ष में नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जानी हो, वहाँ नियुक्ति नियुक्तियाँ तब तक नहीं की जायेगी जब तक दोनों स्रोतों से चयन न कर लिया जाय, और नियम-18 के अनुसार एक संयुक्त चयन सूची तैयार न कर ली जाय।

(3) यदि किसी एक चयन के संबंध में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जाय तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें चयनित व्यक्तियों के नामों का उल्लेख चयन में अवधारित ज्येष्ठता के क्रम में किया जायेगा। जैसा कि यथास्थिति, चयन में अवधारित की जाय, या जैसी कि उस संवर्ग में हो, जिससे उन्हें पदोन्नत किया जाय।

यदि नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जाय तो नाम नियम-18 के अधीन तैयार की गई सूची के अनुसार चकीय क्रम में रखे जायेंगे।

(4) नियुक्ति प्राधिकारी अस्थायी या स्थानापन्न रूप में भी उपनियम (1) के अधीन तैयार की गयी सूची में नियुक्ति कर सकेगा। यदि सूचियों का कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो वह इन नियमों के अधीन पात्र अभ्यर्थियों में से ऐसी रिक्तियों पर नियुक्ति कर सकेगा। ऐसी नियुक्तियाँ एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए या इन नियमों के अधीन अगले चयन के बाद तक, इनमें जो भी पहले हो, नहीं की जाएगी और जहाँ पद शासन/सरकार के क्षेत्र के अन्तर्गत आता हो, वहाँ शासन/सरकार द्वारा समय-समय पर प्रवृत्त उपबन्ध लागू होंगे।

परिवीक्षा

20.

(1) सेवा या किसी स्थायी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किये जायेंगे अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है, जिसके कारण अभिलिखित करने होंगे:

परन्तु आपवादिक परिस्थितियों के सिवाय परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जायेगी।

(3) यदि नियुक्ति प्राधिकारी को प्रतीत होता है कि परिवीक्षा अवधि के दौरान या किसी भी समय या उसके अन्त अथवा परिवीक्षा की बढ़ायी गयी अवधि में किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या उसका कार्य या

आचरण सन्तोषजनक नहीं रहा है, तो उसे उसके मौलिक पद पर यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकता है और यदि उसका किसी पद पर धारणाधिकार न हो तो उसकी सेवायें समाप्त की जा सकेंगी।

(4) ऐसा परिवीक्षाधीन व्यक्ति, जिसे उप नियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित कर दिया गया हो या जिसकी सेवायें समाप्त कर दी गई हैं, किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

(5) नियुक्ति प्राधिकारी परिवीक्षा अवधि की संगणना के प्रयोजन हेतु उस निरन्तर सेवा को गिने जाने की अनुमति दे सकेगा, जो उस विशिष्ट संवर्ग में शामिल किये गये पद पर या किसी समान अथवा उच्चतर पद पर स्थानापन्न या अस्थायी रूप में प्रदान की गयी हो।

स्थायीकरण

21.

परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति में उसकी परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गयी परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर स्थायी किया जा सकेगा यदि—

(क) उसका कार्य और आचरण संतोषजनक बताया गया हो;

(ख) उसकी सत्यनिष्ठा अधिप्रमाणित है ;

(ग) नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाधान हो जाय कि वह स्थायीकरण हेतु अन्यथा योग्य है।

- ज्येष्ठता 22. सेवा में किसी श्रेणी के पद पर किसी कार्मिक की ज्येष्ठता का निर्धारण अधिनियम, की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अनुसार/उत्तराखण्ड सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 (समय-समय पर यथासंशोधित) के अनुसार किया जायेगा।

भाग 7-वेतन आदि

- वेतनमान 23. (1) सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों पर, नियुक्त व्यक्तियों को अनुज्ञेय वेतनमान वह होगा, जो अधिनियम, की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अनुसार समय-समय पर अवधारित किया जाय।
(2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय वेतनमान परिशिष्ट 'क' में दिये गये हैं।

- परिवीक्षा अवधि में वेतन 24. (1) मूल नियम में किसी प्रतिकूल उपबन्ध के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति, यदि स्थायी सरकारी सेवा में नहीं है, तो उसे एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूर्ण करने, विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण होने और प्रशिक्षण प्राप्त करने पर, जहाँ विहित हो, समयमान में पृथक वेतन वृद्धि की अनुमति प्रदान की जायेगी तथा दूसरी वेतन वृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् परिवीक्षा अवधि पूर्ण किये जाने तथा स्थायी किये जाने पर दी जायेगी :

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाय तो इस प्रकार बढ़ाई जाती है, तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निदेश न दें, ऐसी बढ़ाई गयी अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जायेगी।

(2) परीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति का वेतन, जो सरकार के अधीन पहले से ही पद धारण कर रहा है, संगत मूल नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा:

परन्तु यह कि यदि समाधान प्रदान करने में असफल रहने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाती है, तो जब तक नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निदेश न दे, ऐसी बढ़ाई गयी अवधि वेतन वृद्धि के लिए नहीं गिनी जायेगी।

(3) परिवीक्षा के दौरान ऐसे व्यक्ति को वेतन, जो पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में है, राज्य के कार्यों से संबंधित सामान्य सेवारत सेवकों पर लागू संगत नियमों द्वारा विनियमित किया जायेगा।

भाग 8-अन्य प्रावधान

- | | | |
|------------------------------|-----|---|
| पक्ष समर्थन | 25. | किसी पद पर या सेवा में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित संस्तुतियों से भिन्न किन्हीं संस्तुतियों पर चाहे लिखित या मौखिक, विचार नहीं किया जायेगा। किसी अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने को कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अयोग्य कर देगा। |
| अन्य विषयों को विनियमन | 26. | ऐसे विषयों के संबंध में, जो इस नियम या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते हों, सेवा में नियुक्त ऐसे व्यक्ति अधिनियम, की संगत धारा/नियम/निहित प्रावधान के अनुसार/राज्य के कार्यों से संबंधित सेवारत कार्मिकों/सेवकों पर साधारणतः लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा विनियमित होंगे। |
| सेवा की शर्तों में शिथिलीकरण | 27. | जहां नियुक्ति प्राधिकारी का अधिनियम की संगत धारा/नियम/ निहित प्रावधान के अनुसार यह समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तें विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशेष मामले में अनुचित कठिनाई हो सकती है, तो वे इस मामले में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा

इस सीमा तक तथा ऐसी शर्तों के अधीन इस नियम की अपेक्षाओं से सरकार के अनुमोदन से अभिमुक्त कर देगी या शिथिल कर देगी जो वह मामले के सम्बन्ध में न्यायोचित तथा साम्यतापूर्वक कार्यवाही करने के लिये उचित समझे। |
| व्यावृत्ति | 28. | इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा जिनका इस संबंध में अधिनियम, की संगत धारा/नियमों/निहित प्रावधान के द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए उपबंधित किया जाना अपेक्षित हो। |

परिशिष्ट "क"

(नियम 4(2) एवं 23(2) देखें)

क्र. सं.	पद नाम	पदों की संख्या		मैट्रिक्स लेवल
		स्थायी	अस्थायी	
1	धर्माधिकारी	01	—	15600—39100 ग्रेड पे— 5400
2	आचार्य, श्री केदारनाथ	01	—	15600—39100 ग्रेड पे— 5400
3	वेदपाठी	09	—	9300—34800 ग्रेड पे— 4200
4	पुजारी, श्री बदरीनाथ	08	—	5200—20200 ग्रेड पे—2000
5	पुजारी, श्री केदारनाथ	05	—	9300—34800 ग्रेड पे— 4200
6	पोतीत	04	—	5200—20200 ग्रेड पे—2000
7	भण्डार लिपिक	02	—	5200—20200 ग्रेड पे 2000
8	समालिया	02	—	5200—20200 ग्रेड पे 1800
9	सीजनल पोतीत प्रथम	—	10	5200—20200 ग्रेड पे 1900
10	सीजनल पोतीत द्वितीय	—	10	5200—20200 ग्रेड पे 1800
11	सेवाकार, श्री केदारनाथ	01	—	5200—20200 ग्रेड पे 1800
12	पाचक, श्री केदारनाथ	01	—	5200—20200 ग्रेड पे 1800
13	सहायक, श्री बदरीनाथ	01	—	5200—20200 ग्रेड पे 1800
14	पाचक, श्री बदरीनाथ	01	—	5200—20200 ग्रेड पे 1800
कुल पद—		36	20	56

In pursuance of the provision of Clause (3) of Article 348 of the 'Constitution of India', the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 179326/2024, dated February 08, 2024 for general information.

NOTIFICATION

February 08, 2024

No. 179326/2024--In exercise of the power conferred by section 26(2)(d) of Uttar Pradesh Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Act, 1939 (as amended from time to time), (as applicable to the State of Uttarakhand) and in supersession of all the existing rules and orders, on the subject the Governor is pleased to make the following Rules to regulate recruitment and service conditions of the persons appointed in Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple (Religious Cadre) Service :-

Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple (Religious Cadre) Service Rules, 2023

Part 1- General

- | | |
|------------------------------|--|
| Short title and commencement | 1. (1) These rules may be called the Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple (Religious Cadre) Service Rules, 2023 .
(2) It shall come into force at once. |
| Status of Service | 2. Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Service is a service, which includes Group "B", "C" and "D" posts. |
| Definitions | 3. In these rules, unless the subject or context has anything contrary-
a. "Act" means Uttar Pradesh Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Act, 1939 (as amended from time to time), (as applicable in the state of Uttarakhand);
b. "Appointing Authority" means the President of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee;
c. "Citizen of India" means a person who is a citizen of India under Part-II of "the constitution of India" or is Considered to be a citizen of India; |

- d. **"Committee"** means Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee established under section 5 of the Act;
- e. **"Constitution"** means 'the Constitution of India';
- f. **"Governor"** means the Governor of Uttarakhand
- g. **"Government"** means the Government of Uttarakhand;
- h. **"Hindu religion"** means a sect of the Hindus professing Sanatan Dharm or having faith in it;
- i. **"Member of service"** means a follower of Hindu religion on any post in the cadre of service and under these rules or rules in force before the commencement of these rules or under the orders of these rules, a person permanently appointed / on substantive post;
- j. **"President"** means the President of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee nominated by the Government of Uttarakhand under section 5(1) (g) of the Act;
- k. **"service"** means Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee Service;
- l. **"substantive appointment"** means an appointment, not being an *ad hoc* appointment, on a post in the cadre of the service, made after selection in accordance with the rules and, if there are no rules, in accordance with the procedure prescribed for time being, by executive instructions issued by the Government or made according to the procedure prescribed for the time being in accordance with the relevant section/prescribed provision of the Act;

- m. "year of recruitment" means the period of twelve months starting on the first day of July of the calendar year;

Part 2- Cadre

- Service Cadre 4. (1) The number of posts of personnel/ officers and each category in the service shall be as fixed according to the relevant section/prescribed provision of the Act by the Committee with the approval of State Government;
- (2) The number of posts of personnel/ officers and each category in the service shall be, as given in Appendix 'A', unless varied by orders under sub rule (1):

Provided that;

- (i) The appointing authority may keep a vacant post unfilled or the Governor may according to the relevant section/prescribed provision of the Act, hold in abeyance any vacant post without thereby entitling any person to compensation;
- (ii) The President of the committee may according to the relevant section/prescribed provision of the Act create such additional permanent or temporary posts with the approval of the state government, as he deems fit.

Part 3- Recruitment

- Source of5. Recruitment in the various categories of posts in service shall be made from the following sources:-

Religious Service Cadre Shri Badrinath Dham		
1.	Dharmadhikari, Shri Badrinath Dham	By promotion, on the basis of seniority from amongst substantially appointed such Vedpathies who have completed at least 20 years of service as such on the first day of the year of recruitment, subject to rejection of unfit.
2.	Vedpathi, Shri Badrinath Dham	By direct recruitment.
3.	Pujari, Shri Badrinath Dham	By direct recruitment

Religious Service Cadre Shri Kedarnath Dham

1.	Acharya, Shri Kedarnath Dham	By promotion on the basis of seniority from amongst substantially appointed such senior Vedpathies who have completed at least 20 years of service, as such on the first day of the year of recruitment, subject to rejection of unfit. Note: For Vedpathi, it is essential to hold a degree of Acharya in Ved subject from a recognized Sanskrit University.
2.	Vedpathi, Shri Kedarnath Dham	1. 50 percent by direct recruitment. 2. 50 percent by promotion on the basis of seniority from amongst substantially appointed such Potits who have completed at least 07 years of service, as such on the first day of the year of recruitment, subject to rejection of the unfit.
3.	Pujari, Shri Badrinath Dham	Appointment to the post of Pujari shall be made following the eligibility as per rule 8, after the approval of the committee on recommendation of Rawal ji, according to tradition.
4.	Potit, Shri Kedarnath Dham	By direct recruitment.
5.	Store Clerk, Shri Kedarnath Dham	1. 50 per cent by direct recruitment. 2. 50 per cent by promotion on the basis of seniority from amongst such Samaliyas who have completed at least 07 years of service, as such on the first day of the year of recruitment, subject to the rejection of unfit. Note- Due to the post being related to the Panchgayi Dasturat, as per the tradition / custom, a person recommended to the committee by the related concerned community shall be appointed to the post of Store Clerk.

		<ul style="list-style-type: none"> Main work of the Bhandari is to maintain the Bhog offered to the God, storage, distribution of routine food items, and gold and silver jewellery / items.
6.	Samaliya, Shri Kedarnath Dham	<p>Due to the post being related to the Panchgayi Dasturat, as per the tradition/custom, a person recommended to the committee by the related concerned community shall be appointed to the post of Samaliya.</p> <p>Note - Main work of the Samaliya is to cook the Bhog of the God, to assist Pujari in adornment.</p>
7.	Seasonal Potit First	By promotion on the basis of seniority from amongst the Potits Second, subject to rejection of the unfit.
8.	Seasonal Potit Second	By direct recruitment.
9.	Sewakar, (to Rawal ji) Shri Kedarnath Dham	By direct recruitment.
10.	Pachak, (to Rawal ji) Shri Kedarnath Dham	By direct recruitment
11.	Sahayak, (to Rawal ji) Shri Badrinath Dham	By direct recruitment.
12.	Pachak, (to Rawak ji) Shri Badrinath Dham	By direct recruitment

Reservation

6. Reservation to the candidates shall be according to the orders of the State Government/Temple Committee under the provision of relevant section/prescribed provision/rules issued under the Act.

Part -4 - Qualification**Nationality**

7. For a post of direct recruitment in the service –

Must be a citizen of India.

Educational Eligibility/8. Eligibilities/Qualifications

- For appointment to various posts in the service must be as follows:-

1.	Vedpathi, Shri Badrinath Dham	<p>1. He must be a follower of Sanatan Dharm.</p> <p>2. He must be an Acharya degree holder in traditional Ved subject from a recognized Sanskrit University.</p>
----	-------------------------------	---

		<ol style="list-style-type: none"> 3. He must have extensive knowledge of worship methods and rituals. 4. He must have knowledge of Hindi with Sanskrit. 5. He must have 05 years of work experience in worship related work in a famous Vishnu/Shiv Temple.
2.	Pujari, Shri Badrinath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. He must have passed at least Uttar Madhyama examination from a recognized Sanskrit Degree College/School/equivalent School. 2. He must be a follower of Sanatan Dharm. 3. He must have good knowledge of worship methods and rituals according to traditions. 4. He must be completely healthy.
3.	Vedpathi, Shri Kedarnath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. He must be a follower of Sanatan Dharm. 2. He must be an Acharya degree holder in traditional Ved subject from a recognized Sanskrit University. 3. He must have extensive knowledge of worship methods and rituals. 4. He must have working knowledge of Hindi with Sanskrit. 5. He must have 05 years of work experience in worship related works in a famous Vishnu/Shiv Temple.

		Preference- Preference shall be given to higher degree holder.
4.	Pujari, Shri Kedarnath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. He must be follower of Sanatan Dharm. 2. He must have passed Purva Madhyama/High School examination or equivalent examination. 3. He must have good knowledge of worship methods and rituals. 4. He must have been born in the pure Veershaiv Jangam lineage in the South India. 5. He must be a disciple initiated by Rawal ji. 6. According to tradition, recommendation of Rawalji is mandatory for appointment to the post of Pujari. 7. To be the Kedarnath Pujari, he must have lived in Onkareshwar temple, Ukhimath for at least 01 years. 8. He must be completely healthy. 9. He must have practiced Rudrabhishek Shodash puja as per procedure and Mantra recitation.
5.	Potit, Shri Kedarnath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. He must be a follower of Sanatan Dharm. 2. He must be a Shashtri degree holder in Ved subject from a recognized Sanskrit University. 3. Must have knowledge of Hindi with Sanskrit.

		<p>4. With extensive knowledge of worship methods and rituals, must have two years of work experience of Puja related works in a famous Shiv/ Vishnu temple.</p> <p>Preference – Preference shall be given to an Acharya degree holder from a recognized University.</p>
6.	Store Clerk (Bhandari), Shri Kedarnath Dham	<p>1. Must have passed the Intermediate examination or an examination declared its' equivalent examination by the government, of the Uttar Pradesh Shiksha Parishad or the Uttarakhand Vidyalayi Shiksha Parishad.</p> <p>2. It is mandatory to have a speed of 4000 key-depressions per hour in Hindi typing on computer.</p> <p>3. He must a person related to Panchgai Chunni, Mangoli, Bhatwadi, Kimana, Pathali and Teerth Purohits of Dungar Semla villages – Tiwari, Shukla, Trivedi, Tripathi castes.</p>
7.	Samalya, Shri Kedarnath Dham	<p>1. Must have passed the Intermediate examination of the Uttar Pradesh Shiksha Parishad or the Uttarakhand Vidyalayi Shiksha Parishad or an examination declared its' equivalent by the government.</p>

		<p>2. It is mandatory to have a speed of 4000 key-depressions per hour in Hindi typing on computer.</p> <p>3. He must be a person related to Panchgai Chunni, Mangoli, Bhatwadi, Kimana, Pathali and Teerth Purohits of Dungar Semla villages - Tiwari, Shukla, Trivedi, Tripathi castes.</p>
8.	Seasonal Potit Second, Shri Kedarnath Dham	<p>1. He must be a follower of Sanatan Dharm.</p> <p>2. He must be a Shashtri degree holder in Ved subject from a recognized Sanskrit University.</p> <p>3. Must have knowledge of Hindi with Sanskrit.</p> <p>4. With extensive knowledge of worship methods and rituals, must have two years of work experience of Puja related work in a famous Shiv/ Vishnu temple.</p> <p>Preference – Preference shall be given to an Acharya degree holder from a recognized University.</p>
9.	Sewakar, (to Rawal ji), Shri Kedarnath Dham.	<p>1. Must be a follower of Sanatan Dharm.</p> <p>2. Must have passed 8th or equivalent examination.</p> <p>3. Must have been born in pure Veershaiv Jangam lineage in South India.</p> <p>4. According to tradition, for appointment to the post of Sewakar, recommendation of Rawal ji is mandatory.</p>

		5. Must be completely healthy.
10.	Pachak (to Rawal ji), Shri Kedarnath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. Must be a follower of Sanatan Dharm. 2. Must have passed 8th or equivalent examination. 3. Must have been born in pure Veershaiv Jangam lineage in South India. 4. According to tradition, for appointment to the post of Pachak, recommendation of Rawal ji is mandatory. 5. Must be completely healthy.
11.	Sahayak (to Rawal ji), Shri Badrinath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. Must be a follower of Sanatan Dharm. 2. Must have passed 8th or equivalent examination. 3. Must be a pure Namboodiri Brahmin from South India. 4. According to tradition, for appointment to the post of Sahayak, recommendation of Rawal ji is mandatory. 5. Must be completely healthy.
12.	Pachak (to Rawal ji), Shri Badrinath Dham	<ol style="list-style-type: none"> 1. Must be a follower of the Sanatan Dharm. 2. Must have passed 8th or equivalent examination. 3. Must be a pure Namboodiri Brahmin from South India. 4. According to tradition, for appointment to the post

		of Sahayak, recommendation of Rawal ji is mandatory. 5. Must be completely healthy.
--	--	---

Note –These rules shall not apply to those personnel who are working/serving in committee before the commencement of these rules.

**Preferential
Qualification**

9. A candidate, who has,—

(1) served in the Territorial Army for at least two years, or

(2) obtained the 'B' or 'C' certificate of National Cadet Corps, shall other things being equal be given preference for recruitment in service.

**Essential
Qualification and
disqualifications**

10.

(a) Essential Qualification –

(1) shall be according to the relevant section/rules/prescribed provision of the Act.

(2) he must be a follower of the Hindu religion and follows and accepts the prevalent method of worship in the temple.

(3) a candidate for Pujari, Sewakar and Pachak to Shri Kedarnath must be an domicile /permanent resident of the state of Karnataka.

(4) a candidate for Sahayak and Pachak to Shri Kedarnath must be a domicile /permanent resident of the state of Kerala.

(5) for the remaining posts, candidate must be an domicile/ permanent resident of the state of Uttarakhand.

(b) Ineligibilities –

(1) a person convicted of a crime related to moral turpitude shall not be eligible.

(2) a person imprisoned for a crime of moral turpitude.

- (3) if he has renounced the Hindu religion.
- (4) If his character has been confirmed to be tainted.
- (5) a person dismissed from state government or local authority.
- Age** 11. For direct recruitment, candidate must have attained the minimum age prescribed from time to time and must not have crossed the maximum age on the first July of the year in which the vacancies for direct recruitment are published by the appointing authority:
- Provided that, according to the relevant section/rules/ prescribed provision of the Act, as notified by the state government, the maximum age may be increased as much as prescribed.
- Character** 12. For direct recruitment to any post in the service, the character of the candidate must be such that he is completely suitable for the job in government service. The appointing authority shall satisfy himself in this regard.
- Note-** (1) A person dismissed by the Union government or the state government or local authority or corporation or body owned or controlled by the Union government or state government shall not be eligible for appointment to any post in the service. A person convicted for a crime related to moral turpitude, shall also not be eligible for appointment.
- (2) Character to be blameless for appointment to the post of Dharmadhikari, Vedpathi, Pujari and Potit.
- Marital Status** 13. A male candidate who has more than one living wife shall not be eligible or a woman candidate who has more than one living husband shall not be eligible for appointment to any post in the service:
- Provided that, if the government is satisfied that special reasons exist for doing so, it may exempt a person from the operation of this rule.
- Physical Fitness** 14. No candidate shall be appointed to a post in the

service unless he is in good mental and physical health and free from any physical defect which is likely to interfere with the efficient performance of his duties. Before a candidate is finally approved for appointment, he shall be required to produce a fitness certificate according to the fundamental rule-10 as mentioned in Chapter – III, Volume – III, Part –II of Financial Hand Book:

Provided that, in order of section 33, the posts identified for this purpose and categories identified under section 34 of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (Act No. 49 of 2016), the disabled shall not be denied for appointed as per rules:

Provided further that fitness certificate shall not be required from a candidate recruited by promotion.

Part -5 Procedure for Recruitment

- | | | |
|-----------------------------------|---------|--|
| Determination of Vacancies | of 15. | The appointing authority shall determine the number of vacancies to be filled during the course of the year as per Rule 6, under relevant section/rule/prescribed provision of the Act and inform the government/selection committee. |
| Procedure for Recruitment | for 16. | <p>(1) Recruitment Procedure for Direct Recruitment-</p> <p>According to the relevant section/rule/prescribed procedure of the Act the following procedure shall apply:-</p> <p>(a) The appointing authority shall invite applications for recruitment / appointment to various posts. Application forms shall be given in the prescribed format.</p> <p>(b) No candidate shall be admitted without Admit card.</p> <p>(c) Due care shall be taken of the religious community, traditions and hereditary rights.</p> <p>(2) Selection Procedure for Direct Recruitment -</p> <p>Selection by direct recruitment shall be on the basis of the following principles-
Selection by direct recruitment shall be on</p> |

the basis of the educational qualification of the candidate, experience and marks in voice test/throat test/ grammar pronunciation etc., in order of merit, which shall be as follows –

(i) Qualitative Marks for Vedpathi –

Sl. No.	Name of Examination	Qualitative Marks	Maximum Marks
1.	Purva Madhyama/ High School	Percentage of marks x 1 10	10
2.	Uttar Madhyama/Intermediate	Percentage of marks x 2 10	20
3.	Shastri Degree/Graduation	Percentage of marks x3 10	30
4.	Acharya/Post Graduation	Percentage of marks x4 10	40
5.	Experience	02 marks per year	10
6.	Qualitative marks earmarked for P.H.D./M.Phil. Degree	10	10
7.	Voice Test/Throat Test/Grammar Pronunciation	30	30
	Total		150

(ii) Qualitative Marks for Potit –

Sl. No.	Name of Examination	Qualitative Marks	Maximum Marks
1.	Purva Madhyama/ High School	Percentage of marks x 1 10	10
2.	Uttar Madhyama/Intermediate	Percentage of marks x 2 10	20
3.	Shastri Degree/Graduation	Percentage of marks x4 10	40
4.	Acharya/Post Graduation	Percentage of marks x4 10	40
5.	Experience	02 marks per year	10
6.	Voice Test/Throat Test/Grammar Pronunciation	30	30
	Total	-----	150

(iii) Selection Committee for Recruitment to the post of Vedpathi/Potit – Appointment on the posts of direct recruitment shall be made by the Selection Committee constituted as follows –

- | | | |
|---------|--|----------|
| (One) | Appointing Authority - | Chairman |
| (Two) | Principal of a Sanskrit Degree College nominated by the Appointing Authority/ Chairman - | Member |
| (Three) | Chief Executive Officer- | Member |
| (Four) | Officer on Special Duty/Finance Officer- | Member |
| (Five) | Principle/Lecturer of a Sanskrit Degree College/ College relating to subject Ved, nominated as subject specialist by the Appointing Authority/Chairman – | Member |

Note - (1) Recruitment/Appointment Procedure/rules shall be prescribed by the Selection Committee constituted by the Appointing Authority after the approval of Committee, according to the relevant section/rule/prescribed provision of the Act.

(2). Appointment to the posts of Samaliya, Store Clerk (Bhandari), Pujari, Sewakar (to Rawal ji), Sahayak (to Rawal ji), and Pachak (to Rawal ji), as per Rule 5, and Rule 8, as per tradition/religious custom, on the basis of Qualitative marks etc., (as may be appropriate), shall be made by the Appointing Authority according to the relevant section/rule/prescribed provision of the Act.

Recruitment 17.
Procedure by
Promotion

(1) Recruitment by promotion shall be made through the Selection Committee constituted according to relevant section/prescribed provision of the Act, according to the procedure prescribed by the government from time to time. The Selection Committee shall be constituted as follows:-

- | | |
|---------|---|
| (One) | Appointing Authority-
Chairman |
| (Two) | Chief Executive Officer -
Member |
| (Three) | Officer on Special Duty/Finance Office-
Member |

(2) The Appointing Authority shall prepare a list of the eligible candidates in order of seniority and place the list before the Selection Committee along with their character roles and such other documents related to them as may be considered appropriate.

(3) The Selection Committee may on the basis of the documents mentioned in subrule (2), take the interview of the candidates.

(4) The Selection Committee shall prepare a list of selected candidates according to the orders of the government in force for time being and forward it to the Appointing Authority:

Provided that under subrule (2) or under this rule while preparing the eligibility list, where selection is to be made from different feeding cadres, there;

(a) With respect to different pay scales, candidates with higher pay scale shall be placed higher in the eligibility list.

(b) With respect to equal pay scales, names of the candidates shall be placed in the eligibility list in order of the date of substantive appointment in their respective cadres.

**Combined
Selection List**

18.

If in any year appointments are made both by direct recruitment and promotion, then, taking the names from the relevant lists, a joint list shall be prepared in such a way that the prescribed percentage is maintained. The first name in the list shall be of the person appointed by promotion.

**Part - 6 Appointment, Probation,
Confirmation, Seniority**

Appointment

19.

(1) Subject to sub rule (2), the appointing authority shall appoint the candidates in the same order in which their names, as the case may be, appeared in the list prepared under rule 16, 17 and 18.

(2) Where in any year appointments are to be made both by direct recruitment and promotion, there, the regular appointments shall not be made unless selection is made from both the sources, and a combined select list is prepared according to rule 18.

(3) If more than one order is issued with respect to a single selection, then a joint order shall also be issued in which names of the persons shall be placed in order of seniority determined in selection. As determined in selection, as the case may be, or as is in that cadre, from which they are promoted.

If the promotion is made from both direct recruitment and promotion, then the names shall be placed in cyclical order according to the list prepared under rule 18.

(4) The appointing authority may make temporary or as substitute appointment from the list prepared under sub rule (1). If no candidate from the lists is available then the appointing authority may make appointments on such vacancies from amongst the eligible candidates. Such appointments shall not be made for more than one year or under these rules after the next selection, whichever is earlier and where the post is within the jurisdiction of the government, in that case, the provision made by the government from time to time shall apply.

Probation

20.

(1) A person on being substantively appointed in service or to any permanent post, shall be placed on probation for a period of two years.

(2) The appointing authority may, for such reasons which shall be recorded, in individual cases, extend the period of probation:

Provided that save in exceptional circumstances, the period of probation shall not be extended beyond one year and in no circumstances beyond two years.

(3) If it appears to the appointing authority that during the period of probation or at any time or at its end or during the extended period of probation, a person under probation has not made sufficient use of his opportunities or his work or conduct has not been satisfactory, then, he may be reverted to his substantive post, if any, and if does not hold a lien on any post, his services may be dispensed of.

- (4) Such a probationer, who has been reverted or whose services are dispensed with under sub rule (3), shall not be entitled to any compensation.
- (5) For the purpose of computing the period of probation, the appointing authority may allow to compute that continuous service, which may have been rendered in officiating or temporary capacity on the post included in that special cadre or on an equivalent or higher post.
- Confirmation** 21. A probationer may be confirmed in his appointment at the end of his period of probation or the extended period of probation, if –
1. his work and conduct are reported to be satisfactory;
 2. his integrity is certified;
 3. the appointing authority is satisfied that he is otherwise suitable for confirmation.
- Seniority** 22. Seniority of any personnel in any category of posts shall be determined according to the relevant section/rule/prescribed provision of the Act/ the Uttarakhand Government Servants' Seniority Rules, 2002(as amended from time to time).

Part - 7 Pay Etc.,

- Scales of Pay** 23. (1) The scales of pay admissible to persons appointed to various categories of posts in service shall be that which shall be determined from time to time according to the relevant section/rule/prescribed provision of the Act.
- (2) At the time of commencement of these rules pay scales are given at Appendix 'A'.
- Pay During Probation Period** 24. (1) Notwithstanding any provision in the fundamental rules to the contrary, a person on probation, if not in permanent government service, shall be allowed first increment in the time scale on completion of one year of satisfactory service, after passing departmental exam and training where prescribed and second increment after completion of two years of service on completion of period of probation and is also confirmed:

Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extended period shall not be counted for increment unless the appointing authority directs otherwise.

(2) The pay during probation, of a person who is already holding a relevant post under the government, shall be regulated by the relevant fundamental rules:

Provided that, if the period of probation is extended on account of failure to give satisfaction such extended period shall not be counted for increment.

(3) The pay during probation, of a person who is already in permanent government service, shall be regulated by the relevant rules generally applicable to servants serving in connection with the affairs of the state.

Part - 8 Other Provisions

Canvassing 25.

No recommendation, either written or oral other than recommendations required under the rules applicable to service or a post, shall be taken into consideration. Any attempt on part of the candidate for his candidature for direct or indirect support shall disqualify him for appointment.

Regulation of 26.
other Matters

In regards to the matters not covered by these rules or specific rules, such persons appointed in service shall be regulated according to the relevant section/ rule/prescribed provision of the Act /rules, regulation and orders generally applicable to serving personnel/servants serving in connection with the affairs of the state.

Relaxation from 27.
the Conditions of
Service

Where the Appointing Authority is satisfied, according to the relevant section/rule/prescribed provision of the Act that the operation of any rule regulating the conditions of service of persons appointed to the service causes undue hardship in any particular case, it may, notwithstanding anything contained in the rules applicable to the case, with the approval of the Government may, by order, dispense with or relax the requirements of that rule to such extent and subject to such conditions as it may consider necessary for dealing with the case in just and equitable manner.

Saving

28.

Nothing in these rules shall effect such reservation and other concessions which in this connection, is expected to be provided to persons of special category according to orders issued from time to time by the relevant section/rules/prescribed provision of the Act.

Appendix "A"**[Rule 4(2) and 23(a)]**

Sl. No.	Name of the Post	No. of Posts		Matrix Level
		Permanent	Temporary	
1	Dharmadhikari	01	—	15600—39100 Grade pay— 5400
2	Acharya, Shri Kedarnath	01	—	15600—39100 Grade pay—5400
3	Vedpathi	09	—	9300—34800 Grade pay —4200
4	Pujari, Shri Badrinath	08	—	5200—20200 Grade pay —2000
5	Pujari, Shri Kedarnath	05	—	9300—34800 Grade pay —4200
6	Potit	04	—	5200—20200 Grade pay —2000
7	Store Clerk	02	—	5200—20200 Grade pay —2000
8	Samaliya	02	—	5200—20200 Grade pay —1800
9	Seasonal Potit First	—	10	5200—20200 Grade pay —1900
10	Seasonal Potit Second	—	10	5200—20200 Grade pay—1800
11	Sewakar, Shri Kedarnath	01	—	5200—20200 Grade pay —1800
12	Pachak Shri Kedarnath	01	—	5200—20200 Grade pay —1800
13	Sahayak, Shri Badrinath	01	—	5200—20200 Grade pay —1800
14	Pachak, Shri Badrinath	01	—	5200—20200 Grade pay —1800
----	Total No. of Posts	36	20	56

अधिसूचना

09 फरवरी, 2024 ई0

संख्या 184505/2024—राज्यपाल, उत्तर प्रदेश श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर अधिनियम, 1939 (समय—समय पर यथासंशोधित) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) की धारा 26(2)(घ) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर समिति में प्रतिनियुक्ति/सेवा स्थानान्तरण के आधार पर विभिन्न विभागों के कार्यरत कार्मिकों का संविलयन किये जाने हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:—

श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति के विभिन्न सेवा संवर्गों के सीधी भर्ती के पदों पर संविलयन नियमावली, 2023

- | | | |
|---------------------------|----|--|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1. | (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति के विभिन्न सेवा संवर्गों के सीधी भर्ती के पदों पर संविलयन नियमावली, 2023 है।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| अध्यारोही प्रभाव | 2. | यह नियमावली किसी अन्य सेवा नियमावली या आदेश में दी गयी किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी प्रभावी होगी। |
| परिभाषाएं | 3. | जब तक कि विषय से संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में—

(क) 'अधिनियम' से उत्तर प्रदेश से श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर अधिनियम, 1939 (समय—समय पर यथासंशोधित) (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त) अभिप्रेत है;

(ख) 'नियुक्ति प्राधिकारी' से सेवा नियमों के अधीन श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर समिति के अन्तर्गत विभिन्न सेवा संवर्गों के पदों पर नियुक्ति हेतु सक्षम प्राधिकारी /अध्यक्ष अभिप्रेत है;

(ग) 'उपलब्ध रिक्ति' से ऐसी रिक्ति अभिप्रेत है, जो संविलयन की तिथि को सीधी भर्ती के पदों के सापेक्ष रिक्त हो;

(घ) 'समिति' से उत्तर प्रदेश अधिनियम, अभिप्रेत की धारा 5 के अधीन स्थापित/गठित श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति अभिप्रेत है;

(ङ) 'संविधान' से "भारत का संविधान" अभिप्रेत है;

(च) 'निगम एवं अन्य स्वायत्तशासी संस्थाओं' से उत्तराखण्ड राज्य के अधीन आने वाले निगमों एवं स्वायत्तशासी संस्था अभिप्रेत है; |

- (छ) 'कार्यकारी आदेश' से उत्तराखण्ड श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर समिति के स्वीकृत पदों को शासित करने वाले कार्यकारी आदेश अभिप्रेत है;
- (ज) 'सरकार' से उत्तराखण्ड राज्य की सरकार अभिप्रेत है;
- (झ) 'राज्यपाल' से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है;
- (ञ) 'हिन्दू धर्म' से हिन्दुओं का ऐसा सम्प्रदाय अभिप्रेत है, जो सनातन धर्म को मानते हैं या उसमें विश्वास रखते हैं;
- (ट) 'अध्यक्ष' से अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के अधीन राज्य सरकार द्वारा नामित श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति के अध्यक्ष अभिप्रेत है;
- (ठ) 'सेवा नियमावलियों' से श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मन्दिर समिति की विभिन्न सेवा संवर्गों से संबंधित पदों को शासित करने वाली प्रवृत्त सेवा नियमावलियों अभिप्रेत है;
- (ड) 'अधीनस्थ विभागों/कार्यालयों' से उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत आने वाले राजकीय विभाग/कार्यालय अभिप्रेत है;
- (ढ) 'मौलिक नियुक्ति' से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है, जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमानुसार चयन के पश्चात् की गयी हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों अथवा अधिनियम, की संगत धारा/निहित प्रावधान द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई हो।

संविलयन हेतु पात्रता 4. (1) (क) अनिवार्य अर्हता—

- (i) अधिनियम की संगत धारा/नियमों/निहित प्रावधान के अनुसार होगी, तथा
- (ii) वह हिन्दू धर्म का अनुयायी हो तथा मन्दिर के प्रभावी रीतियों के अनुसार प्रचलित पूजा पद्धति को मानता हो एवं स्वीकार करता हो, तथा
- (iii) वह उत्तराखण्ड राज्य का मूल/स्थायी निवासी हो।

(ख) निर्योग्यताएं—

- (i) नैतिक अधमता के अपराध से सम्बद्ध सिद्धदोष व्यक्ति नियुक्ति के पात्र नहीं होंगे।
- (ii) नैतिक अधमता के अपराध के लिये कारावास भुगत चुका व्यक्ति।

(iii) यदि उसने हिन्दू धर्म त्याग दिया हो।

(iv) उसका चरित्र कुलषित होने की पुष्टि हो गयी है।

(v) राज्य सरकार अथवा स्थानीय प्राधिकरण से पदच्युत हुआ व्यक्ति।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी समिति में प्रतिनियुक्ति/सेवा स्थानान्तरण के आधार पर तैनात विभिन्न अधीनस्थ राजकीय कार्यालयों एवं निगमों तथा स्वायत्तशासी संस्थाओं/निकायों के मौलिक रूप से नियुक्ति कार्मिकों का संविलयन, निर्धारित मानकों, जैसा कि वह विहित करें, के अन्तर्गत आदेश द्वारा करेंगे।

(3) विभिन्न राजकीय कार्यालयों एवं निगमों तथा स्वायत्तशासी संस्थाओं/निकायों के केवल मौलिक रूप से नियुक्त समान प्रकृति या समकक्ष पदधारकों जिनके कार्य की प्रकृति समिति में यथास्थिति रिक्त पदों के अनुरूप हो, ही संविलयन के लिए पात्र होंगे।

(4) संविलयन समान प्रकृति के पद पर यथास्थिति, संबंधित कार्मिकों की उस पद पर मौलिक नियुक्ति एवं सेवा अवधि को आधार मानते हुए, आदेश द्वारा किया जायेगा।

(5) संविलयन केवल सीधी भर्ती के रिक्त पदों के सापेक्ष किया जायेगा।

आरक्षण

5. प्रत्येक पद पर संविलयन करते समय समिति/राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत आरक्षण नीति का पालन किया जायेगा।

संविलयन हेतु शर्तों का निर्धारण

6. (1) समिति में विभिन्न पदों पर संविलयन के आदेश में इंगित तिथि संबंधित कर्मचारी की संबंधित पद पर मौलिक नियुक्ति की तिथि मानी जायेगी और उस तिथि के बाद संबंधित पद पर उसकी ज्येष्ठता पदोन्नति एवं अन्य सेवा संबंधी मामले संगत सेवा नियमावली के अन्तर्गत व्यवहृत होंगे।

(2) संविलयन के पश्चात कर्मचारी की समिति के संबंधित पद पर पारस्परिक ज्येष्ठता संबंधित संवर्ग के पद पर मौलिक नियुक्ति की तिथि के आधार पर निर्धारित करने के पश्चात समिति में संबंधित कर्मचारी को परस्पर ज्येष्ठता सूची में रखा जायेगा। समिति में ज्येष्ठता निर्धारण के समय जिन कर्मचारियों का विभिन्न विभागों के अन्तर्गत एक ही वेतनमान होगा उनकी ज्येष्ठता उनके मूल विभाग में उनकी मौलिक नियुक्ति की तिथि से सेवा अवधि की गणना के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

(3) संविलयन होने वाले कर्मचारी के पूर्व के अर्जित अवकाश एवं चिकित्सा अवकाश की गणना श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ

मंदिर समिति सेवा के अर्जित अवकाश/चिकित्सा अवकाश के साथ किया जायेगा।

- (4) समस्त अर्ह राजकीय कर्मचारियों की भविष्य निधि (पी0एफ0) की राशि उनके भविष्य निधि लेखे में अन्तर्गत होगी। भविष्य निधि (पी0एफ0) से अग्रिम की मांग पर पूर्व में जमा अवशेष की गणना की जायेगी। पूर्व में लिये गये ऋण/भविष्य निधि से लिये गये अस्थायी अग्रिम की कटौतियां पूर्व की भांति निर्धारित शर्तों पर की जायेगी।
- (5) स्वायत्तशासी संस्थाओं/निगमों के अर्ह कर्मचारियों की श्री बदरीनाथ तथा श्री केदारनाथ मंदिर समिति की सेवा में संविलयन के समय उनके भविष्य निधि खाते में जमा नियोक्ता का अंश ब्याज सहित कोषागार में जमा किया जायेगा। कर्मचारी का अंश ब्याज सहित उनके नये भविष्य निधि खाते में जमा किया जायेगा जिसके लिए उन्हें सामान्य भविष्य निधि का सदस्य बनना होगा और उन्हें नया भविष्य निधि खाता आवंटित किया जायेगा।
- (6) उपरोक्त संदर्भित पदों में से किसी पद पर समायोजित होने वाले कार्मिक का वेतनमान यदि समायोजित होने वाले पद के न्यूनतम वेतनमान से अधिक होता है तो उस स्थिति में कार्मिक को समायोजित होने वाले पद के वेतनमान में उसके मूल वेतन के निकटस्थ प्रक्रम पर निर्धारित किया जायेगा तथा वेतन संरक्षित रहेगा।
- (7) संविलयन किये जाने वाला प्रत्येक संविलिनियत कर्मचारी संविलयन के आदेश की तिथि से संगत सेवा-नियमावली अथवा समिति में प्राप्त अन्य कार्यकारी आदेशों में विहित अवधि तक परिवीक्षा में रहेंगे तथा परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने पर संगत सेवा नियमावली के अन्तर्गत उनका उस पद पर स्थायीकरण किया जायेगा:

परन्तु यह कि यदि कोई कर्मचारी स्थायीकरण हेतु अपेक्षित अर्हता पूर्ण नहीं करता तो नियुक्ति प्राधिकारी उसके परिवीक्षाकाल को आगे बढ़ा सकता है।

नियुक्तियों को सुसंगत सेवा नियमावली के अधीन किया गया समझा जायेगा।

7.

इस नियमावली के अधीन की गयी नियुक्तियां संबंधित कार्मिक को समिति में पदों के सापेक्ष का पदनाम/वेतनमान दिये जाने की तिथि से संगत सेवा नियमावली के अधीन की गयी नियुक्तियां समझी जायेंगी। संविलयन की तिथि सम्बन्धित कार्मिक की मौलिक नियुक्ति मानी जायेगी।

प्रत्यावर्तन

8. संविलयन होने वाले कार्मिक से इस आशय का विकल्प प्राप्त किया जायेगा कि क्या वह इस नियमावली के उपबन्धों संविलयन हेतु सहमत है अथवा नहीं। यदि कोई कार्मिक अपने मूल विभाग में वापस जाना चाहे तो उसके लिए यह विकल्प संविलयन की तिथि से परिवीक्षा अवधि तक उपलब्ध रहेगा कि वह समिति में संबंधित पद पर संविलयन हेतु इच्छुक नहीं है और उस दशा में उसे उसके पैतृक विभाग को वापस कर दिया जायेगा और ऐसा कर्मचारी किसी प्रकार के प्रतिकर आदि का हकदार नहीं होगा।

आज्ञा से,
हरिचन्द्र सेमवाल,
सचिव।

In pursuance of the provision of Clause (3) of Article 348 of the 'Constitution of India', the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Notification No. 184504/2024, dated February 09, 2024 for general information.

NOTIFICATION

February 09, 2024

No. 184504/2024--In exercise of the power conferred by section 26(2)(d) of Uttar Pradesh Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Act, 1939 (as amended from time to time), as applicable in the State of Uttarakhand, the Governor is pleased to make the following Rules for merger of the employees of various departments working on deputation/ service transfer in Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee:-

The Merger of Various Service Cadres on the Posts of Direct Recruitment of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee Rules, 2023

Short title and Commencement	1.	(1) These rules may be called The Merger of Various Service Cadres on the Posts of Direct Recruitment of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee Rules, 2023 (2) It shall come into force at once.
Overriding effect	2.	These Rules shall be effective notwithstanding anything contained contrary in any other Service Rules or Order.

Definitions	3.	<p>In these rules, unless the subject or context has anything contrary-</p> <p>(a) "Act" means the Uttar Pradesh Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Act, 1939 (as amended from time to time) (as applicable in the state of Uttarakhand);</p> <p>(b) "appointing authority" means the competent authority/ President for appointment to the posts of different service cadres under service rules within Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee;</p> <p>(c) "available vacancy" means such vacancy which is vacant against the posts of direct recruitment on the date of merger;</p> <p>(d) "Committee" means Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee constituted under section 5 of the Act.</p> <p>(e) "Constitution" means 'the Constitution of India';</p> <p>(f) "corporation and other autonomous institutions" means the Corporations and autonomous institutions under the state of Uttarakhand;</p> <p>(g) "executive order" means the executive order governing the approved posts of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple committee;</p> <p>(h) "Government" means the Government of Uttarakhand;</p> <p>(i) "Governor" means the Governor of Uttarakhand;</p> <p>(j) "hindu religion" means such sect of the Hindus professing Sanatan Dharm or having faith in it;</p> <p>(k) "President" means the President of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple committee nominated by the Government of Uttarakhand under section 5(1) (g) of the Act;</p> <p>(l) "Service Rules" means the service rules governing the posts of different service cadres of Shri Badrinath and Shri Kedarnath Temple Committee;</p>
-------------	----	--

			<p>(m) "subordinate departments/offices" means the government departments/Offices of the state of Uttarakhand;</p> <p>(n) "substantive appointment" means an appointment, not being an <i>ad hoc</i> appointment, on a post in the cadre of the service, made after selection in accordance with the rules and, if there are no rules, in accordance with the procedure prescribed for time being, by executive instructions issued by the Government or made according to the procedure prescribed for time being in accordance with the prescribed provision of relevant section/prescribed provision of the Act;</p>
Eligibility Merger	for	4.	<p>(1) (a) Essential Eligibility -</p> <p>(i) Shall be according to the relevant section / rules/prescribed provisions of the Act. and</p> <p>(ii) He must be a follower of the Hindu religion and must follow and accept the prevalent method of worship as per the prevailing customs of the temple. and</p> <p>(iii) He must be domicile /permanent resident of the state of Uttarakhand.</p> <p>(b) Ineligibilities -</p> <p>(i) A person convicted of a crime related to moral turpitude shall not be eligible for appointment.</p> <p>(ii) A person imprisoned for a crime of moral turpitude.</p> <p>(iii) If he has renounced Hindu religion.</p> <p>(iv) If his character has been confirmed to be tainted.</p> <p>(v) A person dismissed from the state government or the local authority.</p> <p>(2) The Appointing Authority shall merge the substantively appointed personnel of different subordinate government offices and corporations and autonomous institutions/bodies deployed on deputation / service transfer in committee by an order as per specified standards as prescribed by him.</p>

		<p>(3) Only the substantively appointed similar or equivalent post holders of the different government offices and corporations and autonomous institutions/bodies whose nature of work is, as the case may be, similar to that of existing vacant posts in Committee, shall be eligible for merger.</p> <p>(4) Merger shall be by an order on the similar posts, as the case may be, considering the substantive appointment and period of service on that post.</p> <p>(5) Merger shall be made only against the vacant posts of direct recruitment.</p>
Reservation	5.	Reservation policy as issued from time to time by the Committee/state government shall be followed while merging on each post.
Determination of Conditions for Merger	6.	<p>(1) The date as indicated in the order of merger on the various posts in the Committee shall be considered as the date of substantive appointment of concerned personnel on the concerned post and after that date, his seniority, promotion and other matters concerning service shall be dealt with according to the relevant service rules.</p> <p>(2) After the merger, determining the inter-se seniority of the personnel on the concerned post of the Committee, on the basis of substantive appointment on the concerned post, the personnel shall be placed in the inter-se seniority list in Committee. At the time of seniority determination in the Committee, the personnel having the same pay scale within different departments, their seniority shall be determined on the basis of service period from their substantive appointment in their parent department.</p> <p>(3) The previously earned leaves and medical leaves of merged personnel shall be accounted with the earned leave and medical leaves of the service in the Committee.</p> <p>(4) The amount of Provident Fund (P.F.) of all the eligible employees shall be transferred to their Provident Fund account. On demand of advance from Provident Fund (P.F.), the</p>

		<p>amount deposited earlier shall be accounted. Deductions of loan/ temporary advance from Provident Fund taken earlier shall continue to be on conditions determined earlier.</p> <p>(5) The share of employer of the eligible employees of autonomous institutions/ corporations in the Committee shall be deposited with interest in the treasury. Share of the employee, with interest, shall be deposited in their new Provident Fund account for which they shall have to become the member of Contributory Provident Fund being operated in the department and shall be allotted new Contributory Provident Fund account.</p> <p>(6) If the pay scale of an employee is more than the lowest pay scale of any of the aforesaid posts on which he has been merged, in that case, the employee shall be fixed on the same level or in case, level of his basic pay not available in the pay scale of the post on which he is merged, pay shall be fixed at the lowest level and the difference of amount shall be paid as personal pay which shall be adjusted from the next salary increment.</p> <p>(7) Each merged employee shall be from the date of merger order, on probation till the period as prescribed in the relevant service rules or other executive orders of the Committee and after the period of probation is completed, he shall be confirmed on the post according to relevant service rules. If an employee does not fulfill the desired eligibility for confirmation, the appointing authority may extend the period of probation.</p>
Appointments shall be deemed to have been made under the relevant service rules	7	<p>The appointments under these rules shall be deemed to have been made under the relevant service rules from the date the employee is given the designation / pay scale against the posts in Committee. The date of merger shall be deemed to be the date of substantive appointment of the concerned personnel.</p>

Reversion	8	An option shall be obtained from the merged employee, whether he accepts or not the merger under the provision of these rules. An employee shall have the option to revert to his parent department from the date of merger till the period of probation, if he is unwilling to merge on the concerned post in the Committee, and in that case he shall be reverted to his parent department and such an employee shall not be entitled to any kind of compensation.
-----------	---	--

By Order.

HARI CHANDRA SEMWAL,

Secretary.

कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-4

विज्ञप्ति/नियुक्ति

09 फरवरी, 2024 ई०

संख्या 39/XXX(4)/2024-04(1)/2018-मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा नियमावली, 2004 यथाराशोधित नियमावली, 2016 के नियम-20 के प्राविधानानुसार चयनित अधिकारियों को नियुक्ति/पदोन्नति प्रदान किये जाने हेतु महानिबन्धक, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल के पत्र संख्या-445/UHC/Admin.A-II/2024, दिनांक 16 जनवरी, 2024 के माध्यम से की गयी संस्तुति के क्रम में निम्नलिखित 02 अधिकारियों को उत्तराखण्ड उच्चतर न्यायिक सेवा, वेतनमान ₹ 144840-194660 (J-5), (समतुल्य ग्रेड वेतन- ₹ 8900) में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थायी रूप से नियुक्त/पदोन्नत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र०सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्थल	अभ्युक्ति
1.	श्री रमेश सिंह	चीफ जूडिशल मजिस्ट्रेट, नैनीताल	पदोन्नति कोटा
2.	सुश्री संगीता रानी	चीफ जूडिशल मजिस्ट्रेट, हरिद्वार	पदोन्नति कोटा

2- उक्त अधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये श्री राज्यपाल परीक्षा पर रखते हैं।

3- उक्त अधिकारियों के तैनाती आदेश मा० उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

राज्यपाल की आज्ञा से,

शैलेश बगौली,

सचिव।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

अधिसूचना

09 फरवरी, 2024 ई०

संख्या 188958/XXVIII-1/E/Comp. No.-66307/2023—महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून के पत्र संख्या-2प/रा0पु0/04/2023/37656, दिनांक 06.12.2023 के द्वारा की गयी संस्तुति के क्रम में निम्नलिखित 35 चिकित्सकों द्वारा अपनी परीवीक्षा अवधि के अनुपस्थित होने तथा दिनांक 07.03.2023 में दैनिक समाचार पत्रों में नोटिस प्रकाशित किये जाने के उपरान्त भी योगदान प्रस्तुत न किये जाने के दृष्टिगत उत्तराखण्ड चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा नियमावली 2014 के भाग-6 बिन्दु-18(4) एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका खण्ड-2 (भाग-2 से 4) (संशोधन) 2020 (18)(3) के प्राविधानों के अन्तर्गत अनाधिकृत रूप से अनुपस्थिति की तिथि (कॉलम-4 में उल्लिखित तिथि से) से उनकी सेवाएं समाप्त किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

क्र.सं.	चिकित्सक का नाम	तैनाती स्थल	अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने की तिथि से सेवाएं समाप्त की जाती है
1	2	3	4
जनपद नैनीताल			
1.	डा० शैफाली चौहान	सामु0स्वा0के0, गरमपानी, नैनीताल	10.12.2021
2.	डा० अर्सी भल्ला	प्रा०स्वा०केन्द्र टाईप ए, पहाड़पानी, नैनीताल	16.12.2021
3.	डा० रोहित कुमार वैश्य	जिला चिकि०, अल्मोड़ा	24.05.2021
जनपद उधमसिंह नगर			
4.	डा० भुवनेश सिंह	जिला चिकि०, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर	19.10.2021
5.	डा० पवन पालीवाल	उप जिला चिकि०, बाजपुर, उधमसिंह नगर	04.04.2020
6.	डा० रेखा पाण्डेय	उप जिला चिकि०, बाजपुर, उधमसिंह नगर	28.04.2020
7.	डा० हरि ओम	उप जिला चिकि०, बाजपुर, उधमसिंह नगर	26.06.2021
8.	डा० श्रीजा सिंह	प्रा०स्वा०केन्द्र टाईप ए, नारायणपुर, उधमसिंह नगर	03.5.2021
9.	डा० श्रद्धा जैन	प्रा०स्वा०केन्द्र टाईप ए, लालपुर, उधमसिंह नगर	08.05.2021
10.	डा० अर्शिता बंसल	प्रा०स्वा०केन्द्र टाईप ए, नगला तराई, उधमसिंह नगर	01.08.2021

1	2	3	4
11.	डा0 विद्याचल कुमार सिंह	उप जिला चिकि0, बाजपुर, उधमसिंह नगर	01.11.2021
12.	डा0 जेबा मोईन	सामु0स्वा0के0, सितारगंगज, उधमसिंह नगर	08.05.2021
13.	डा0 जीवान्धु धवन	सामु0स्वा0के0, नानकमत्ता, उधमसिंह नगर	01.10.2021
14.	डा0 अन्वेषिका	प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप ए. करनपुर, उधमसिंह नगर	01.04.2022
15.	डा0 प्रतिभा शर्मा	अति0 प्रा0स्वा0केन्द्र, गढीनेगी, उधमसिंह नगर	05.07.2022
जनपद देहरादून।			
16.	डा0 तनुज ललित	उप जिला चिकि0, प्रेमनगर, देहरादून	17.05.2021
17.	डा0 ज्योत्सना भतेजा	जिला चिकि0, देहरादून	07.03.2022
18.	डा0 राहुल अवस्थी,	जिला चिकि0, देहरादून	01.12.2021
जनपद पिथौरागढ़।			
19.	डा0 मुकुल मिश्रा	उप चिकि0, धारचूला, पिथौरागढ़	31.10.2022
20.	डा0 मो0 दाउद	सामु0स्वा0के0, डीडीहाट, पिथौरागढ़	03.12.2021
21.	डा0 सौभाग्य सिंह	प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप ए. गुंजी, पिथौरागढ़	01.10.2022
जनपद चम्पावत।			
22.	डा0 ऐश्वर्य धवन, नेत्र राल्यक	उप जिला चिकित्सालय, टनकपुर, चम्पावत	23.01.2021
23.	डा0 अविशा तलनिया	टी0बी0 क्लीनिक, चम्पावत	29.08.2022
जनपद बागेश्वर।			
24.	डा0 मनीष चन्द्र प्रभाकर	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बागेश्वर	27.11.2021
25.	डा0 अश्वनी वर्मा	जिला चिकि0, बागेश्वर	29.07.2021
जनपद हरिद्वार।			
26.	डा0 अखिलेश सिंह	उप जिला चिकि0, रुड़की हरिद्वार	24.09.2021
27.	डा0 अवंति सिधल	सामु0स्वा0के0, ज्वालापुर, हरिद्वार	03.10.2020
28.	डा0 शाह आलम	सामु0स्वा0के0, लढौरा, हरिद्वार	21.10.2019
जनपद रुद्रप्रयाग।			
29.	डा0 पुनिया अनिल कुमार	प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप ए. मणिगुह, रुद्रप्रयाग	22.11.2021
जनपद पौड़ी गढ़वाल।			
30.	डा0 किरन	उप जिला चिकि0, कोटद्वार, पौड़ी	26.03.2021
31.	डा0 करिश्मा द्रोणा	अधीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पौड़ी	13.06.2022
जनपद उत्तरकाशी।			
32.	डा0 निकिता उषल	सामु0स्वा0केन्द्र, पुरोला, उत्तरकाशी	05.11.2022
जनपद टिहरी गढ़वाल।			
33.	डा0 राहुल बधानी	सामु0स्वा0केन्द्र, लम्बागांव (चौण्ड), टिहरी	20.08.2020
34.	डा0 जीशान उमर	प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप ए. दल्ला, टिहरी	06.05.2021

1	2	3	4
जनपद चमोली।			
35.	डा0 पुनीत गौतम	प्रा0स्वा0केन्द्र टाईप ए. कुराड़, चमोली	01.02.2022

2- उक्त आदेश का तत्काल कडाई से अनुपालन यथाप्रक्रिया सुनिश्चित करायें।

आज्ञा से,
अमनदीप कौर,
अपर सचिव।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 फरवरी, 2024 ई0 (फाल्गुन 05, 1945 शक सम्वत्)

भाग 1—क

नियम, कार्य-विधियां, आझाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

January 12, 2024

No. 13/XIV-1/Admin.A/2008--Shri Ambika Pant, 2nd Additional District Judge, Roorkee, District Haridwar is hereby sanctioned medical leave for 16 days w.e.f. 04.11.2023 to 19.11.2023.

NOTIFICATION

January 12, 2024

No. 14/XIV/a-44/Admin.A/2021--Shri Nawal Singh Bisht, IInd Additional Civil Judge (Jr. Div.), Roorkee, District Haridwar is hereby sanctioned paternity leave for 15 days w.e.f. 04.12.2023 to 18.12.2023 with permission to prefix 03.12.2023 as Sunday holiday.

NOTIFICATION

January 12, 2024

No. 15/XIV/a-7/Admin.A/2009--Shri Rahul Kumar Srivastava, Civil Judge (Sr. Div.), Haridwar is hereby sanctioned medical leave for 25 days w.e.f. 18.11.2023 to 12.12.2023.

NOTIFICATION

January 15, 2024

No. 16/XIV/a-34/Admin.A/2021--Ms. Gulistan Anjum, 1st Additional Civil Judge (Jr. Div.), Haldwani, District Nainital is hereby sanctioned :

1.	Earned Leave for 20 days w.e.f. 02.11.2023 to 21.11.2023
2.	Earned Leave for 10 days w.e.f. 12.12.2023 to 21.12.2023

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Vigilance).

NOTIFICATION

January 15, 2024

No. 17/XIV-a/59/Admin.A/2012--Ms. Payal Singh, Civil Judge (Sr. Div.), Kashipur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned earned leave for 24 days w.e.f. 15.11.2023 to 08.12.2023 with permission to prefix 11.11.2023 to 14.11.2023 as Deepawali holidays and suffix 09.12.2023 & 10.12.2023 as second Saturday and Sunday holidays respectively.

By Order of Hon'ble the Acting Chief Justice,

Sd/-

Registrar (Vigilance).

NOTIFICATION

January 15, 2024

No. 18/XIV-a-48/Admin.A/2015--Ms. Sahista Bano, 4th Additional Civil Judge (Sr. Div.), Rudrapur, District Udham Singh Nagar is hereby sanctioned maternity leave for 180 days w.e.f. 14.06.2023 to 10.12.2023.

NOTIFICATION

January 15, 2024

No. 19/XIV/55/Admin.A/2003--Shri Nitin Sharma, the then Principal Judge, Family Court, Dehradun presently posted as Principal Secretary, Law-cum L.R., Dehradun is hereby sanctioned medical leave for 20 days w.e.f. 30.09.2023 to 19.10.2023.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Vigilance).

NOTIFICATION

January 16, 2024

No. 20/UHC/Admin.A/2024--In exercise of the powers conferred by clause (2) of Article 229 of the Constitution of India and all other powers enabling in that behalf, Hon'ble Court has been pleased to make the following amendments in Allahabad High Court Officers and Staff (Conditions of service and conduct) Rules 1976, applicable to High Court of Uttarakhand, Nainital under U.P. Reorganization Act, 2000:--

Sr. No.	Existing Rules		Amended Rules	
1.	Rule 8(b) Assistant Review Officer	<p>(ii) 20% of the posts shall be filled up by promotion from amongst Class-IV employees, who are Graduate and have completed five years of continuous regular service, on the basis of Seniority-cum-Suitability.</p> <p>(iii) 5% of the posts shall be filled up by promotion on the basis of Seniority-cum-Suitability, amongst the Public Relations Assistants, who are Graduates and have completed five years of continuous service as such.</p> <p>(iv) Suitability shall be assessed on the basis of appraisal of service record and oral interview, which may be conducted by a Committee constituted by Hon'ble the Chief Justice.</p> <p>Suitability shall be assessed on the following parameters:</p> <p>(a) Service record of last 05 years shall be assessed. Marking shall be done as under:</p>	Rule 8(b) Assistant Review Officer	<p>(ii) 20% of the posts shall be filled up by promotion from amongst Class-IV employees, who are Graduate and have completed five years of continuous regular service, on the basis of Merit-cum-Seniority.</p> <p>(iii) 5% of the posts shall be filled up by promotion from amongst Public Relation Assistants, who are Graduate and completed five years of continuous service, on the basis of Merit-cum-Seniority.</p> <p>(iv) For promotion from amongst Class-IV employees as well as Public Relations Assistants, a test of 100 marks shall be conducted, which shall consist the following:</p> <p>(i) A Written Examination, which will include objective type questions of General English and General Knowledge – 50 Marks.</p> <p>(ii) Typing test on Computer – 25 Marks.</p> <p>(iii) Appraisal of Service Record- 15 Marks.</p> <p>Marking shall be done as under:</p>

		<p>Outstanding : 5 Marks Very Good : 4 Marks Good : 3 Marks Satisfactory : 2 Marks Poor/Adverse: 0 Marks</p> <p>(Total marks of service record: 25 Marks)</p> <p>(b) Oral Interview: 10 Marks.</p> <p>Total marks of Suitability : 25+10= 35 Marks</p> <p>Names of candidates, who obtain 50% or more marks, in the aforementioned selection process shall be placed in a list and promotion to the post of Assistant Review Officer shall be made strictly as per their inter-se-seniority in Class-IV Cadre.</p>		<p>Outstanding : 3 Marks Very Good : 2 Marks Good : 1 Marks Poor/Adverse : 0 Marks</p> <p>(iv) Practical knowledge of Computer operation- 10 Marks.</p> <p>Every candidate, who will obtain 50% marks, in the aforementioned test shall be qualified for being considered for promotion to the post of Assistant Review Officer.</p> <p>Thereafter, merit list of such qualified candidates shall be prepared on the basis of their seniority in the cadre of Class-IV employees. Senior most shall be at the top of the list, irrespective of the marks obtained in the test. Keeping in view the vacancy, accordingly select list shall be prepared.</p>
2.	<p>Rule 9 (v)</p> <p>Librarian Or Assistant Librarian</p>	<p>1. Degree in Law and Diploma in Library Science from a recognized University.</p> <p>2. Basic Knowledge of Computer Operation.</p>	<p>Rule 9 (v)</p> <p>Assistant Librarian</p>	<p>1. Degree in Law and Diploma or Degree in Library Science from a recognized University.</p> <p>OR</p> <p>Degree in Library Science from a recognized University with 05 (Five) years experience as Assistant Librarian Or Librarian in any University of Law/Judicial Academy.</p> <p>2. Basic Knowledge of Computer Operation.</p>
3.	<p>Rule 9 (viii)</p> <p>Translators</p>	<p>Graduate in any stream with Diploma/ Certificate Course in Translation from Hindi to English and vice versa from University/ Institution, recognized by Government or two years previous</p>	<p>Rule 9 (viii)</p> <p>Translators</p>	<p>Bachelor Degree from a recognized University having Hindi or English as a subject. Must have Hindi and English subjects in Intermediate (10+2).</p> <p>Knowledge of Computer Operation.</p>

		<p>experience in Translation works from Hindi to English and vice versa in any Central/ State Government Offices /Parliament/ State Legislature Secretariats or Central/ State Public Sector Undertakings/ Supreme Court of India/High Courts/ Subordinate Courts.</p> <p>The qualifying marks for the General Category would be 50% and for SC/ST/OBC would be 45%.</p>		<p>Desirable Qualification will be as under:</p> <p>(i) Having Degree in Law.</p> <p>(ii) Having Diploma/ Certificate Course in Translation from Hindi to English and vice versa from University/Institution, recognized by Government.</p> <p>(iii) Having two years previous experience in Translation works from Hindi to English and vice versa in any Central / State Government Offices/ Parliament / State Legislature Secretariats or Central/ State Public Sector Undertakings / Supreme Court of India / High Courts / District Courts.</p> <p>The qualifying marks for the General Category would be 50% and for SC/ST/OBC would be 45%.</p>
4.	Rule 13	(2) Promotion to the post of Review Officer and Assistant Review Officer shall be made on the criteria of Seniority-cum-Suitability.	Rule 13	(2) Promotion to the post of Review Officer shall be made on the criteria of Seniority subject to rejection of unfit and to the post of Assistant Review Officer on the basis of Merit-cum-Seniority.

These amendments will come into force with immediate effect.

By Order of the Court,

Sd/-

ASHISH NAITHANI

Registrar General.

पी०एस०यू० (आर०ई०) ०८ हिन्दी गजट/६६-भाग १-क-२०२४ (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 24 फरवरी, 2024 ई0 (फाल्गुन 05, 1945 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

मेरे आर्मी सर्विस नं0 4048464N रैंक Ex HAV में त्रुटिवश नाम (BHAGWATI PRASAD KAPRUWAN) दर्ज हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम (BHAGWATI PRASAD KAPRUWAN) हैं, भविष्य में मुझे (BHAGWATI PRASAD KAPRUWAN) S/O (RAM SHARAN) के नाम से जाना पहचाना जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

(BHAGWATI PRASAD KAPRUWAN)

S/O (RAM SHARAN)

निवासी हाउस नं0-जी 436 नेहरू

कालोनी देहरादून उत्तराखण्ड।

सूचना

मेरे आर्मी के अभिलेखों में त्रुटिवश मेरा नाम GOPAL DATT दर्ज हो गया। जबकि मेरा वास्तविक नाम GOPAL DATT PANDEY हैं। भविष्य में मुझे GOPAL DATT PANDEY S/O RAM DATT PANDEY के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाये।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

GOPAL DATT PANDEY

S/O RAM DATT PANDEY

निवासी वैभव विहार नवादा

पो0ओ0 नवादा देहरादून, उत्तराखण्ड।

सूचना

मेरे आर्गी अभिलेख सर्विस नं0 5754517A रैंक HAV (MACP NB/SUB) में त्रुटिवश मेरा नाम RUDRA BAHADUR दर्ज हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम RUDRA BAHADUR THAPA है, भविष्य में मुझे RUDRA BAHADUR THAPA S/O DIL BAHADUR THAPA के नाम से जाना पहचाना जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

RUDRA BAHADUR THAPA

S/O DIL BAHADUR THAPA

निवासी ग्राम चांदमारी घंघोरा देहरादून, उत्तराखण्ड।

सूचना

मेरे पेन कार्ड AGQPS8091M, में त्रुटिवश मेरा नाम मेहर सिंह चौहान, व पिता का नाम रन सिंह चौहान दर्ज हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम मेहर सिंह, व पिता का सही नाम शिंगरिया है। भविष्य में मुझे मेहर सिंह पुत्र श्री शिंगरिया के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

मेहर सिंह पुत्र श्री शिंगरिया

निवासी ग्राम बनियाना, पो.ओ. बनियाला

तहसील चकराता, देहरादून, उत्तराखण्ड।

सूचना

मेरे NSDL DEMAT ACCOUNT CLIENT NO 20678265 में त्रुटिवश मेरा नाम DILIP SINGH NEGI दर्ज हो गया है। जबकि मेरा वास्तविक नाम DALIP SINGH NEGI है, भविष्य में मुझे DALIP SINGH NEGI S/O LATE ANAND SINGH NEGI के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

DALIP SINGH NEGI

S/O LATE ANAND SINGH NEGI

निवासी हाउस नं. 88, नजदीक (एस.जी.आर.आर.)

पब्लिक स्कूल रेस कोर्स पो.ओ. आरा घर देहरादून

उत्तराखण्ड।

कार्यालय नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल

सार्वजनिक सूचना

06 अगस्त, 2023 ई0

पत्रांक 230/गजट प्रका0-भ0क0/न0पं0ल0/2022-23-नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल की सीमान्तर्गत उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तराखण्ड में यथा प्रवृत्ति) की धारा 298(1) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 128 के अन्तर्गत भवनों या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर भवन/सम्पत्ति कर आरोपित करने के उद्देश्य से नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा "सम्पत्ति/भवन कर उपविधि 2023 बनाई गई है" जो नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा-301 (1) के अन्तर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला हो उनसे आपत्ति एवं सुझाव आमंत्रित करने हेतु प्रकाशित की जाती है। अतः समाचार पत्र में उपविधि के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अंदर लिखित सुझाव एवं आपत्तियाँ अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल को प्रेषित की जा सकेगी निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

भवन कर उपविधि-2023

1- संक्षिप्त नाम प्रसार और प्रारम्भ:-

(क) यह उपविधि नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) भवन कर उपविधि 2023 कहलायेगी।

(ख) यह उपविधि नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल उत्तराखण्ड की सीमा में प्रवृत्त होगी।

(ग) यह उपविधि नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा प्रवृत्त होगी।

2- परिभाषाएँ:-

किसी विषय या प्रसंग से कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस उपविधि में:-

(क) नगर पंचायत का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगाँव से है।

(ख) सीमा का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगाँव की सीमा से है।

(ग) अधिशासी अधिकारी का तात्पर्य अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लम्बगाँव जनपद टिहरी गढ़वाल से है।

(घ) अध्यक्ष का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगाँव के निर्वाचित अध्यक्ष/अथवा प्रशासक से है।

(ङ) बोर्ड का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगाँव के अध्यक्ष/सदस्य अथवा प्रशासक से है।

(च) अधिनियम का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 (उत्तराखण्ड में यथाप्रदत्त) से है।

(छ) वार्षिक मूल्यांकन का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 140 व धारा 141 के अन्तर्गत वार्षिक मूल्य से है।

- (ज) भवन कर का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 128 के अन्तर्गत भवनो या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य कर से है।
- (झ) समिति का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 104 के अन्तर्गत गठित समिति से है।
- (ए) भवन का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगांव की सीमान्तर्गत निर्मित भवन से है।
- (फ) स्वामी का तात्पर्य भवन के स्वामी से है।
- (ब) अध्यासी का तात्पर्य नगर पंचायत लम्बगांव की सीमान्तर्गत निर्मित भवन में निवास कर रहे व्यक्ति से है।
- 3- वार्षिक मूल्यांकन:- नगर पंचायत सीमान्तर्गत स्थित निर्मित भवन पर भवनकर निर्धारण हेतु नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 141 के अन्तर्गत कर निर्धारण के प्रयोजन के लिये नगर पंचायत द्वारा समय-समय पर पारिश्रमिक सहित या रहित किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को चाहे सदस्य हो या न हो अथवा संस्था/एजेन्सी ऐसे प्रयोजन के लिये किसी सम्बद्ध सम्पत्ति का निरीक्षण कर सकते हैं। सम्पत्ति/भवन कर निर्धारण हेतु निम्नानुसार वार्षिक मूल्यांकन किया जायेगा।
- (क) रेलवे स्टेशनों कालेजों होटलो कारखानों वाणिज्य भवनों और अन्य अनावासीय भवनों की दशा में भवन व निर्माण कि अनुमानित लागत लो०नि०वि० की प्रचलित सिडयूल रेट और उससे अनुलगन भूमि की अनुमानित मूल्य तत्समय प्रचलित सर्किल रेटो को जोड़कर निकाली गयी धनराशि का पाँच प्रतिशत (5%) से अनाधिक पर वार्षिक मूल्यांकन का आंकलन किया जायेगा।
- (ख) खण्ड (क) के उपबन्धों के अन्तर्गत न आने वाले किसी भवन या भूमि की दशा में यथा स्थिति भवन की दशा में प्रतिवर्ग फुट कारपेट क्षेत्रफल से गुणा किये जाने पर आए 12 गुना मूल्य से है और इस प्रयोजन के लिये प्रतिवर्ग फुट मासिक किराया दर पर इस प्रकार होगी जैसे कि नगर पंचायत लम्बगांव के अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रत्येक दो वर्ष में एक बार भवन की अवस्थिति भवन निर्माण की प्रकृति भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 के प्रयोजन के लिये कलैक्टर द्वारा नियम सर्किल दर के आधार पर नियत किया गया जाये और ऐसे भवन के लिये क्षेत्रफल में चालू न्यूनतम दर और अन्य कारक इस प्रकार होंगे जैसे निहित किया जाये।
- (ग) खण्ड (क) (ख) के अन्तर्गत न आने वाले किसी भवन या भूमि की दशा में यथास्थिति ऐसे आवासीय एवं अनावासीय (दुकानार्थ) जो किराये पर उठाये गये हो उनका वार्षिक मूल्यांकन शहर की प्रचलित बाजार दर अथवा उस क्षेत्र की लिये कलैक्टर द्वारा तत्समय किराये हेतु प्रचलित सर्किल रेट से जो भी अधिकतम हो के अनुसार किराये के भवन के प्रतिवर्ग फुट या मीटर मासिक किराया दर पर निर्धारण करना होगा और मासिक किराये को 12 गुना पर वार्षिक मूल्यांकन पर निर्धारण हेतु किया जायेगा।

प्रतिबन्ध यह है कि जहां नगर पंचायत लम्बगॉव जनपद टिहरी गढ़वाल की राय में असाधारण परिस्थितियाँ के कारण किसी भवन का वार्षिक मूल्य यदि उपर्युक्त निधि से गणना की गयी हो वहां नगर पंचायत किसी भी कम धनराशि पर जो उसे समयापूर्ण प्रतीत हो वार्षिक मूल्य नियत कर सकती है।

1- वार्षिक मूल्य की गणना के प्रयोजन के लिए कारपेट क्षेत्र की गणना निम्नलिखित रूप से की जायेगी।

- (i) कक्ष - आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप
- (ii) आच्छादित बरामदा -आन्तरिक आयाम की पूर्ण माप
- (iii) बालकोनी गलियारा रसोई घर और भण्डार गृह - आन्तरिक आयाम की 50 प्रतिशत माप
- (iv) गैराज - आन्तरिक आयाम की चौड़ाई माप
- (iv) स्नानागार शौचालय द्वारमण्डल और जीना से आच्छादित क्षेत्रफल कारपेट क्षेत्रफल का अंग नहीं होगा।

2- उत्तर प्रदेश शहरी भवन (किराये पर देने किराये तथा वेदखली का विनियमन) अधिनियम -1972 के प्रयोजन के लिए किसी भवन का मानक किराया या युक्तियुक्त वार्षिक किराये का भवन के वार्षिक गणना करते समय हिसाब में नहीं लिया जायेगा।

3- भवन कर निर्धारित हेतु वार्षिक मूल्यांकन एवं सर्वेक्षण प्रपत्र में प्रत्येक भवन का मौके पर निरीक्षण करने के उपरान्त यथा स्थिति के अनुसार किया जायेगा।

4- भवन के वार्षिक मूल्यांकन पर कर:- भवन के वार्षिक मूल्यांकन पर 05% (पाँच प्रतिशत) भवन पर कर लिया जायेगा परन्तु निम्नलिखित भवन अथवा उसके अन्य भाग निम्नानुसार कर से मुक्त रहेगे:-

(क) मन्दिर गुरुद्वारा मस्जिद अथवा दूसरे धार्मिक संस्थाएँ जो सार्वजनिक तथा रजिस्टर्ड ट्रस्ट या संस्था के अधीन हो परन्तु जो स्थान अथवा स्थानों के भाग रहने अथवा किराये पर या अन्य प्रकार से आय अर्जित की जाती है तो उनके अन्य प्रकार से आय अर्जित की जाती है तो उन पर कर की छूट का नियम लागू नहीं होगा।

(ख) सरकारी अनाथालय स्कूल छात्रावास चिकित्सालय धर्मशालायें तथा इस प्रकार से अन्य भवन जो इस प्रकार की दान की संस्थाओं की सम्पत्तियों और उन्हीं संस्था द्वारा ऐसे कार्य करती हो।

(ग) नगर पंचायत लम्बगॉव जनपद टिहरी गढ़वाल की समस्त परिसंपत्तियों

- 5- कर निर्धारण सूचियों का प्रकाशन:- भवन के वार्षिक मूल्यांकन पर भवन कर निर्धारण हेतु नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 141 के अधीन तैयार की गयी सूचियों का प्रकाशन जनसामान्य के अवलोकनार्थ एवं निरीक्षण के लिए नगर पंचायत लम्बगांव कार्यालय के अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रदर्शित की जायेगी तथा समाचार पत्र में इस आशय की सूचना प्रकाशित करते हुये अपील करनी होगी कि पंचवर्षीय गृहकर का निर्धारण किया जा चुका है, जिस किसी व्यक्ति अथवा भवन स्वामी या अध्यासी को कर निर्धारण सूची का अवलोकन एवं निरीक्षण कर सकते हैं तथा प्रस्तावित कर निर्धारण की सूचना सम्बन्धि प्रत्येक भवन स्वामी को 30 दिन के अन्दर आपति प्रस्तुत करते हेतु दी जानी आवश्यक होगी और कर निर्धारण सूचियों में प्राप्त आपतियों को मोहल्ले/वार्ड वार कम संख्या देते हुए आपति एवं निस्तारण पंजिका में अंकित किया जायेगा।
- 6- आपतियों का निस्तारण:- भवन के वार्षिक मूल्यांकन अथवा कर निर्धारण पर प्राप्त आपतियों की सुनवाई एवं निस्तारण हेतु नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 104 के अन्तर्गत गठित समिति अथवा समिति गठित न होने के फलस्वरूप अधिशासी अधिकारी द्वारा निम्न प्रकार से किया जायेगा:-
- (क) प्राप्त आपतियों के निस्तारण पंजिका में जस्टीफिकेशन के साथ दर्ज करनी होगी।
- (ग) शासनादेश संख्या 2064/नौ-9-97-79 ज /97 दिनांक 28/06/1997 द्वारा वार्षिक मूल्यांकन एवं कर निर्धारण पर प्राप्त आपतियों की सुनवाई और निस्तारण दिये गये निर्देशानुसार दी जायेगी।
- 7- कर निर्धारण सूचियों का अभी प्रमाणीकरण और अभिरक्षा:-
- (क) अधिशासी अधिकारी या इस निमित्त प्राधिकृत अधिकारी यथास्थिति नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत उसके किसी भाग के क्षेत्र वार किराया दरों और निर्धारण सूची को और हस्ताक्षर से अभिप्रमाणित करेगा।
- (ख) इस प्रकार से अभिप्रमाणित सूची को नगर पंचायत लम्बगांव कार्यालय में जमा किया जायेगा।
- (ग) जैसे सम्पूर्ण नगर क्षेत्र की सूची इस प्रकार से जमा कर दी जाये वैसे ही निरीक्षण हेतु खुले होने के लिये सार्वजनिक सूचना द्वारा घोषणा की जायेगी।
- (घ) कर निर्धारण सूचियों में उपरोक्तानुसार सम्पूर्ण कार्यावाही होने के उपरान्त भवन कर मांग एवं वसूली पंजिका में अन्तिम रूप से सूची दर्ज करते हुये नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 166 के अन्तर्गत दावों की वसूली हेतु अग्रेतर कार्यवाही शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशानुसार करनी होगी।

- 8- नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत कोई भी व्यक्ति कार्यालय दिवस पर प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक अपने भवनों की एसेसमेन्ट सूची पर अपना नाम दर्ज कर सकता है जो और जिस समय तक आवेदन पत्र को अस्वीकार करने का काफी कारण न हो उसका नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा अस्वीकृति का कारण लिख दिया जायेगा।
- 9- जब इस बात में शक हो कि भवन पर कि जिसका नाम स्वामी के रूप में दर्ज किया जाये तो बोर्ड या समिति या वह अधिकारी दिया हो यह तय करेगा कि किसका नाम स्वामी के तौर पर दर्ज होना चाहिये। इसका निश्चय उस समय तक लागू रहेगा जब तक सशक्त न्यायालय उसको रद्द न कर दे।
- 10- (1) अगर किसी ऐसे भवन के स्वामी होने का अधिकार जिस पर यह लागू हो हस्तान्तरित किया जाये तो अधिकार लेने की तिथि से और लिखी गयी हो तो दस्तावेज लिखे जाने या रजिस्ट्री होने या हस्तान्तरित होने की तिथि से तीन माह के अन्दर हस्तान्तरित होने की सूचना अध्यक्ष अथवा अधिशासी अधिकारी को देना होगा।
(2) किसी ऐसे भवन का स्वामी जिस पर कर लागू है की मृत्यु के पश्चात उसका उत्तराधिकारी या जो जायदात का स्वामी हो इस प्रकार स्वामी होने के तीन माह के अन्दर निकाय कार्यालय में लिखित सूचना देगा जिसका कि आपति हेतु दैनिक सामाचार पत्र में इस कार्यालय द्वारा प्रकाशित किया जायेगा। प्रकाशित सूचना का बिल भुगतान सम्बन्धित भवन स्वामी द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा।
(3) सम्पत्ति/भवन कर प्राप्ति रसीद भूमि पर अधिकार के दस्तावेजों के रूप में मान्य नहीं होगी।
- 11- (1) सूचना में जिसका विवरण पहले दिया गया है उक्त नियम में उल्लिखित सभी विवरण सफाई से और ठीक तौर से दिया जायेगा।
(2) हर ऐसा व्यक्ति जिसको जायजाद हस्तान्तरित की गयी हो अधिशासी अधिकारी के मांगने पर दस्तावेज (अगर लिखी गयी है) या उसकी एक प्रतिलिपि जो इंडियन रजिस्ट्रेशन एक्ट 1877 ई० के अनुसार ली गयी हो पेश करेगा।
- 12- उत्तर प्रदेश नगर पालिका एक्ट 1916 की धारा 151(2) के अधीन कर की थोड़ी माफी या ऐसी माफी के लिये भवन का स्वामी जिसमें कई किरायेदार रहते हो भवन पर कर लागू करने के समय बोर्ड से प्रार्थना कर सकता है कि तमाम भवन का कर लगने के अलावा हर एक भाग जिसका वार्षिक मूल्य अलग एक नोट में दर्ज किया जाये और जब कोई भाग जिसका वार्षिक मूल्य अलग दर्ज हो गया है या किराये के नब्बे दिन या इससे अधिक समय के लिये किसी साल में खाली रहा हो तो कुल भवन के कर का वह हिस्सा माफ किया जाये जो कि एक्ट की धारा 151(1) के अधीन वापस या माफ किया जाता है।

शास्ति

उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 299 (1) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके नगर पंचायत लम्बगांव एतद्वारा निर्देश देती है कि उपरोक्त उपविधि उल्लंघन करने के लिये अर्थदण्ड रुपये 1000.00 (एक हजार) तक हो सकता है और यदि उल्लंघन निरन्तर जारी रहा हो तो प्रथम दोषसिद्धि के दिनांक से ऐसे प्रत्येक दिन के लिये जिनके बारे में यह सिद्ध हो जाये कि अपराधी अपराध करता रहा है अतिरिक्त जुर्माना किया जा सकता है जो रुपये 100.00 (एक सौ) प्रतिदिन तक हो सकता है।

एच०एस० रौतेला,
अधिशारी अधिकारी,
नगर पंचायत लम्बगांव।

भरोसी देवी रांगड,
अध्यक्ष,
नगर पंचायत लम्बगांव।